वर्ष 2025 माह जनवरी अंक 37

बालमन

Powered by Teachers of Bihar

प्रधान सम्पादक :- धीरज कुमार (शिक्षक)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा(भभुआ)

कैमूर (बिहार)

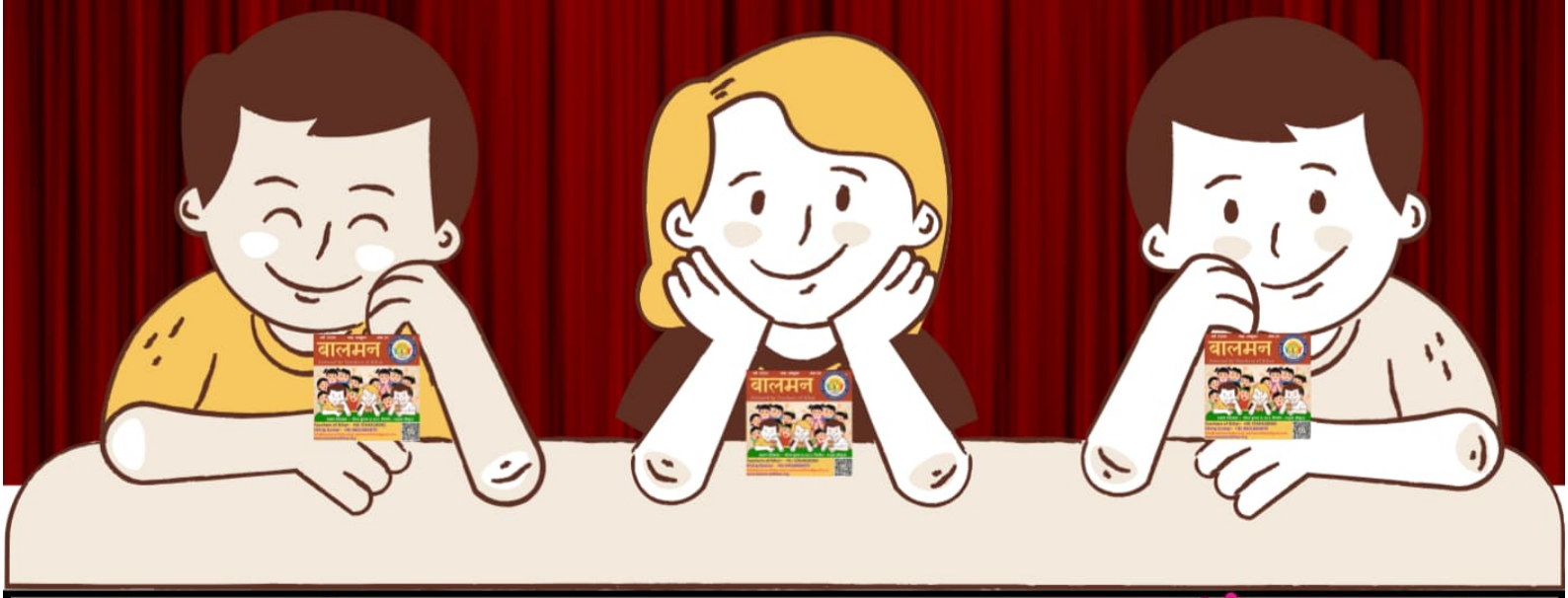

Teachers of Bihar- +91 7250818080

Dhiraj Kumar- +91 9431680675

Info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

www.teachersofbihar.org

रश्मि प्रभा

कार्यालय
संयुक्त निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं
प्रशिक्षण परिषद
पटना(बिहार)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई कि हमारे सरकारी विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा को प्रदर्शित कर प्रोत्साहित और सम्मानित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार 'बाल मन' पत्रिका का प्रकाशन विगत कई वर्षों से कैमूर जिले के शिक्षक सह प्रधान संपादक श्री धीरज कुमार द्वारा किया जा रहा है। इस प्रकार की मासिक पत्रिका का प्रकाशन बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से बच्चें ज्ञान, कला और सृजनशीलता के साथ सुनहरे भविष्य के लिए अपना मार्ग प्रशस्त करेंगे।
आशा है कि इस बाल मन पत्रिका से विद्यार्थी ,शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक और उन्नत सोच विकसित होगा।

मैं इस उपयोगी पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई देते हुए राज्य स्तर पर विद्यार्थी हित में बाल मन के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामना व्यक्त करती हूँ।

रश्मि प्रभा
ज्वाइंट डायरेक्टर
SCERT पटना (बिहार)

05 अक्टूबर 2024

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से **"बाल मन कैमूर"** पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए **"बाल मन कैमूर"** के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक,

सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्ज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी

औरंगाबाद

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

जीवन में नवीनता का एहसास हमे तरोताजा कर देता है।इस नवीन वर्ष 2025 में भी आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,ऐसे ही जारी रखे।राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर आपकी प्रतिभा सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! हमे आपको बताते हुए बहुत ही हर्ष हो रहा हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार और बालमन क्रमश: अपनी छठवीं और तीसरी वर्षगांठ इसी महीने मना रहे हैं।आप सभी को बहुत बहुत बधाई प्रेषित करता हूं।टीचर्स ऑफ बिहार और बालमन का ये सफर आपसभी के सहयोग से ही जारी है।।वर्ष 2025 के प्रथम अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)बिहार
संपर्क सूत्र: 9431680675

ToB संदेश

बच्चों के नाम

प्रमोद कुमार 'निराला '
प्रधान संपादक
ToB बालमन चांद(कैमूर)

प्रिय बच्चों,

आप सभी आज अपनी प्रतिभा से केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रह गए है ।टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के माध्यम से अब जिला से लेकर राज्य स्तर से होते हुए अब राष्ट्रीय स्तर पर आपकी पहचान आपके कला और प्रतिभा से हो रही हैं। जिस सोच के साथ टीचर्स ऑफ बालमन की शुरुआत प्रधान संपादक धीरज कुमार द्वारा किया गया,उसे आगे बढ़ाते हुए कैमूर जिले के चांद प्रखंड से भी मेरे द्वारा बालमन पत्रिका की शुरुआत प्रखंड स्तर से की गई। बालमन की टीम लगातार बच्चों के लिए,बच्चों के हित में बच्चों की प्रतिभा को सम्मानित सह प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी कर रही है और उनके प्रतिभा को एक मंच प्रदान कर रही है। टीचर्स ऑफ बिहार के छठवीं और बालमन की तीसरी वर्षगांठ सहित बालमन चांद की दूसरी वर्षगांठ पर पूरे टीम का विशेष आभार सहित सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

ToB बालमन

सहयोगी सदस्य

1. श्री राकेश कुमार मणि
(रोचक गणित+दर्शनीय स्थल)

2. श्री राजेश कुमार सिंह
(विज्ञान कॉर्नर)

3. श्री अवधेश राम
(शिक्षण अधिगम सामग्री)

4. श्री राकेश कुमार
(खेल कॉर्नर+सुरक्षित शनिवार+शिक्षा शब्दकोश +रोचक तथ्य)

5. श्रीमती पुनीता कुमारी
(पर्यावरण अध्ययन)

6. श्री संजय कुमार
(बूझो तो जानें)

7. अनुप्रिया (रसायन शास्त्र)

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

6th anniversary

20 January

6 साल बेमिसाल

Teachers of Bihar

The change makers

समस्त शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

Madhu priya

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

18 जनवरी 2025

3rd Anniversary

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

TOB बालमन टीम की तरफ से

आप सभी को बहुत बहुत बधाई।

आपके प्रतिभा का हम करते है सम्मान।
ToB बालमन के साथ अपनी प्रतिभा को दे एक नया आयाम।

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

अनमोल विचार

कलम तलवार से ज्यादा शक्तिशाली है। सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए शिक्षा सबसे बड़ा हथियार है।

सावित्रीबाई फुले
(भारत की प्रथम महिला शिक्षक)

जन्म: 03 जनवरी 1831
मृत्युः 10 मार्च 1897

राकेश कुमार

ToB बालमन

प्रेरक प्रसंग

किसान और चट्टान

एक किसान था, वह एक बड़े से खेत में खेती किया करता था। उस खेत के बीचों-बीच पत्थर का एक हिस्सा ज़मीन से ऊपर निकला हुआ था, जिससे ठोकर खाकर वह कई बार गिर चुका था और ना जाने कितनी ही बार उससे टकराकर खेती के औजार भी टूट चुके थे। रोजाना की तरह आज भी वह सुबह-सुबह खेती करने पहुंचा पर जो सालों से होता आ रहा था वही हुआ, एक बार फिर किसान का हल पत्थर से टकराकर टूट गया। किसान बिल्कुल क्रोधित हो उठा और उसने मन ही मन सोचा की आज जो भी हो जाए वह इस चट्टान को ज़मीन से निकाल कर इस खेत के बाहर फ़ेंक देगा। वह तुरंत भागा और गाँव से 4-5 लोगों को बुला लाया और सभी को लेकर वह उस पत्थर के पास पहुंचा। मित्रों, किसान बोला, “ये देखो ज़मीन से निकले चट्टान के इस हिस्से ने मेरा बहुत नुकसान किया है और आज हम सभी को मिलकर इसे जड़ से निकालना है और खेत के बाहर फ़ेंक देना है। ऐसा कहते ही वह फावड़े से पत्थर के किनारे वार करने लगा, पर ये क्या ! अभी उसने एक-दो बार ही मारा था कि पूरा का पूरा पत्थर ज़मीन से बाहर निकल आया। साथ खड़े लोग भी अचरज में पड़ गए और उन्हीं में से एक ने हँसते हुए पूछा, “क्यों भाई, तुम तो कहते थे कि तुम्हारे खेत के बीच में एक बड़ी सी चट्टान दबी हुई है, पर ये तो एक मामूली सा पत्थर निकला ?

किसान भी आश्चर्य में पड़ गया, सालों से जिसे वह एक भारी-भरकम चट्टान समझ रहा था दरअसल वह बस एक छोटा सा पत्थर था। उसे पछतावा हुआ कि काश उसने पहले ही इसे निकालने का प्रयास किया होता तो ना उसे इतना नुकसान उठाना पड़ता और ना ही दोस्तों के सामने उसका मज़ाक बनता।

पद्य पंकज

जो ज्ञान सत्य है,
टिकने वाला है
उसका रूप सत्य का है,
मतवादिता का नहीं है।

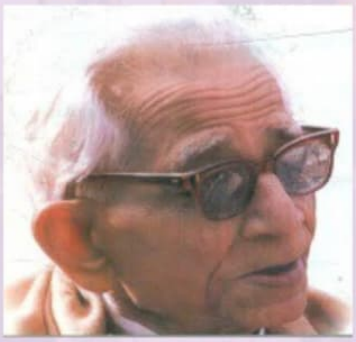

जैनेन्द्र कुमार

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

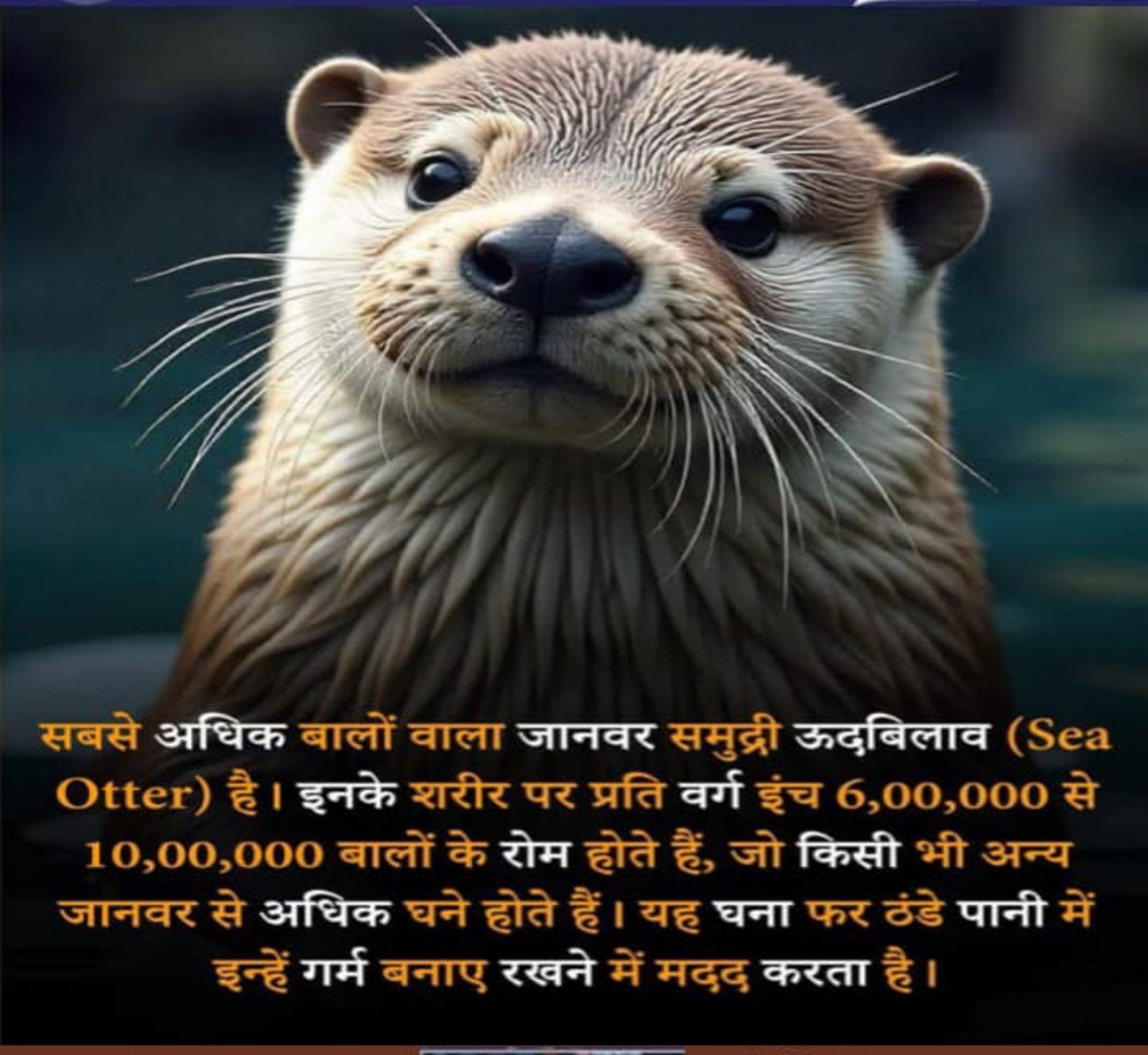

सबसे अधिक बालों वाला जानवर समुद्री ऊदबिलाव (Sea Otter) है। इनके शरीर पर प्रति वर्ग इंच 6,00,000 से 10,00,000 बालों के रोम होते हैं, जो किसी भी अन्य जानवर से अधिक घने होते हैं। यह घना फर ठंडे पानी में इन्हें गर्म बनाए रखने में मदद करता है।

Teachers of Bihar

बालमन

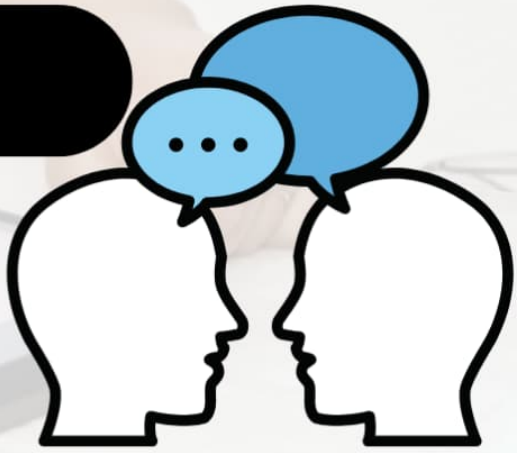

मन की बात

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका को मैं अपने विद्यालय के शिक्षक धीरज कुमार द्वारा प्रतिमाह देखते हैं। हम सभी बच्चों को बहुत खुशी मिलती है जब हम अपनी पेंटिंग और बनाई गई कलाकृति को बालमन पत्रिका में छपा हुए देखते हैं।

परिधि कुमारी,वर्ग 6
मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ (कैमूर) बिहार

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

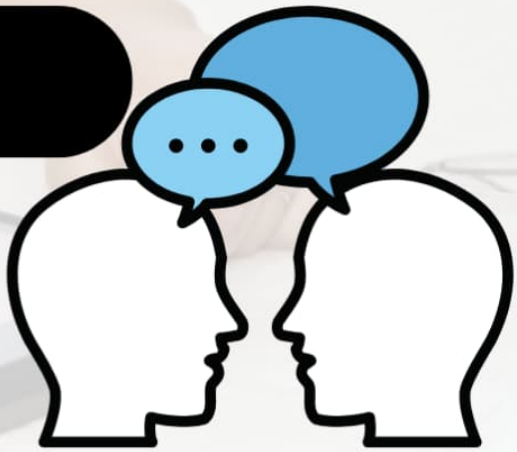

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका बहुत ही सुंदर और प्रेरणादायक पत्रिका हैं जिसको देखने और पढ़ने के बाद बच्चे जो कुछ नहीं करते हैं वह भी कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसके लिए बालमन टीम सहित धीरज सर का बहुत-बहुत धन्यवाद ।

प्रीति कुमारी(शिक्षिका)
मध्य विद्यालय भेकास
भभुआ (कैमूर) बिहार

Health is wealth

ToB बालमन स्वास्थ्य सुझाव

स्वस्थ जीवनशैली से पाए स्वस्थ जीवन

धूप से विटामिन डी मिलता है,जो शरीर के लिए बहुत ज़रूरी होता हैं। धूप में मौजूद विटामिन डी से हड्डियां मज़बूत होती हैं और इम्यून सिस्टम भी मज़बूत होता है।सुबह की धूप शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है।

धीरज कुमार

श्रद्धा झा
रामनंदन उच्च विद्यालय रमई
फारबिसगंज, जिला अररिया।

राजकीय कन्या मध्य
विद्यालय कुचायकोट
(गोपालगंज)

ToB बालमन नन्हें कलाकार 1

पेंसिल के छिलके से बना हुआ।
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनियां (कैमूर)

मध्य विद्यालय पनसलवा बेलदौर
(खगड़िया)

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल टिटोली,ता. इगतपुरी,
जि. नासिक, (महाराष्ट्र)

नंदिनी कुमारी,वर्ग 5
UMS सिलौटा, कैमूर

पूनम कुमारी , वर्ग 5
प्राथमिक विद्यालय महेश पट्टी नरपतगंज
जिला अररिया

रिया कुमारी ,वर्ग 3
UMS सोनाव, कुदरा, कैमूर

शिवानी कुमारी और नेहा कुमारी
नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बरमदिया
इजमाल, चकिया,पूर्वी चंपारण

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

ToB बालमन
नन्हें कलाकार
भाग 2

आदित्य कुमार,वर्ग 6
देव नारायण सिंह मध्य विद्यालय मकराइन
डेहरी रोहतास

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
(गोपालगंज)

TOB BALMAN
English corner

PRONOUN

A WORD WHICH IS USED IN THE PLACE OF NOUN IS CALLED PRONOUN.

You are invited to my party.

She is playing cricket at school.

I am a good student.

They were so happy playing chess.

Example : I,you,He,She, We,They etc

Dhiraj Kumar

Jan. 25

ToB बालमन हमारा समाज

समुदाय सहायक

Community Helpers

TEACHER	PULMBER	DOCTOR
CLEANER	POLICE	FARMER
GARDENER	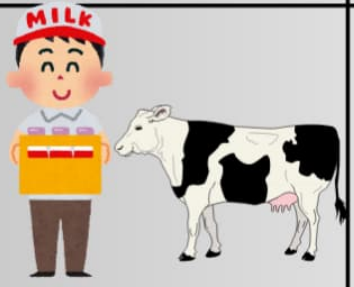 MILK MAN	WASHERMAN
WATCHMAN	BARBER	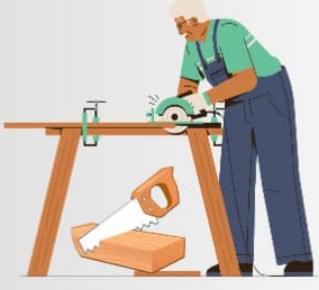 CARPENTER

Dhiraj Kumar

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 3

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बरमदिया इजमाल, चकिया,पूर्वी चंपारण

N.P.S. ढढणिया,भभुआ (कैमूर)

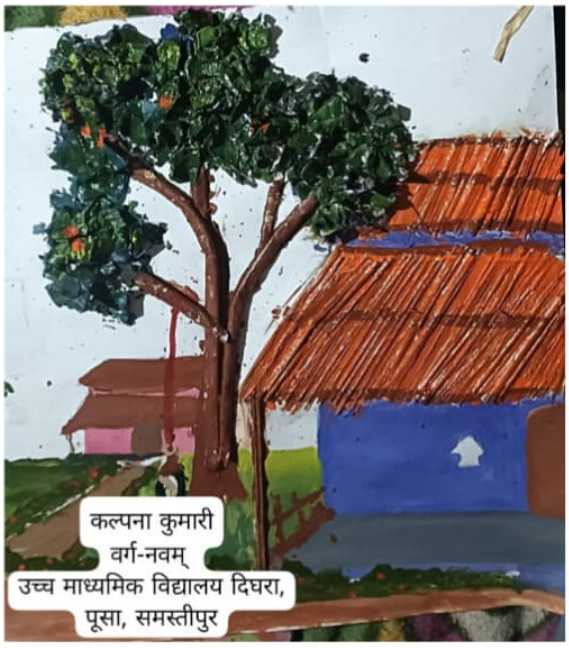

कल्पना कुमारी
वर्ग-नवम्
उच्च माध्यमिक विद्यालय दिघरा, पूसा, समस्तीपुर

मध्य विद्यालय हनुमान नगर बेलदौर (खगड़िया)

UMS सादिकपुर, एकरंगासराय (नालंदा)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

मध्य विद्यालय चांद
कैमूर

ToB बालमन
नन्हें कलाकार

प्रा 0 वि 0प्रखंड कॉलोनी फूलवारी शरीफ
(पटना)

Part 4

Suhani kumari Class 6
M.s. belagopi
Gaighat, Muzaffar|pur

मध्य विद्यालय दुदहा(सिवान)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमरपुरा
मोहनियां (कैमूर)

ToB बालमन

अंतर खोजें

30 सेकंड में 5 अंतर खोजें

ToB बालमन

माह - जनवरी

Class 5

ऐतिहासिक स्मारक

* बिहार प्राचीन ऐतिहासिक स्मारकों से भरा पड़ा है।
* बोधगया महात्मा बुद्ध के लिए विख्यात है तो वैशाली भगवान महावीर की जन्मस्थली के लिए।
* प्राचीन काल से बिहार सम्राट अशोक का राज्य रहा है।
* उन्होंने अनेक स्तम्भ बनवाए जो आज भी नंदनगढ़ लौरिया तथा कोल्हुआ में देखे जा सकते हैं।
* पटना संग्रहालय दर्शनीय है तो पटना का गोलघर अद्वितीय है।
* औरंगाबाद का देव सूर्य मंदिर तथा पावापुरी का जल मंदिर अद्भूत है।
* इन स्मारकों की वजह से हमें गर्व है।

पुनीता कुमारी

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी

बरौली, गोपालगंज

प्रा 0 वि 0प्रखंड
कॉलोनी फूलवारी
शरीफ पटना

उर्दू प्राथमिक
विद्यालय भभुआ
भाग 1(कैमूर)

ToB बालमन

नन्हें कलाकार 5

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर,
मोहनियां(कैमूर)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मखदुमपुर फुलवारी शरीफ पटना

UMS सिलौटा(कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय खनेठी
रामगढ (कैमूर)

मध्य विद्यालय चांद
कैमूर

Anjali Kumari Class 6
UMS Chhotka Katra Mohania

P.S.HARIJAN TOLA KALGIGANJ
Bhagalpur

प्राथमिक विद्यालय जगरिया
चैनपुर (कैमूर)

प्रा. वि. प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारी शरीफ
पटना

NPS ढढणिया+उर्दू प्रा. वि. अखलासपुर
भभुआ (कैमूर)

ToB बालमन
नन्हें कलाकार
भाग 6

Sonakshi kumari
M.s. Belagopi, Gaighat,
Muzaffarpur

प्रा. वि. प्रखण्ड कॉलोनी फूलवारी शरीफ
पटना

प्राथमिक विद्यालय महेश पट्टी नरपतगंज
जिला अररिया

ToB बालमन

हिंदी TLM

माह - जनवरी

संज्ञा

"किसी व्यक्ति, वस्तु , स्थान , भाव, गुण, धर्म आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।"

भेद

व्यक्ति-वाचक संज्ञा	व्यक्ति विशेष का बोध
जाति वाचक संज्ञा	विशेष जाति का बोध
भाव वाचक संज्ञा	भाव गुण, दशा का बोध
समूह वाचक संज्ञा	संपूर्ण समूह का बोध
द्रव्य वाचक संज्ञा	नाप, तौल वाली वस्तु का बोध

पुनीता कुमारी
राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
बरौली (गोपालगंज)

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 7

गुजरात

पीएम श्री मध्य विद्यालय
शिवगंज ,डेहरी (रोहतास)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट गोपालगंज, बिहार

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल
टिटोली,ता. इगतपुरी, जि. नासिक,
महाराष्ट्र

गुजरात
(सौजन्य से निकिता चौधरी)

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल
टिटोली,ता. इगतपुरी, जि. नासिक,
महाराष्ट्र

मकर संक्रांति विशेष 14 जनवरी

राकेश कुमार

मकर संक्रान्ति *Makar Sankranti*) भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी के महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन **खिचड़ी का भोग** लगाया जाता है। गुड़–तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है।

Teachers of Bihar

बालमन

विश्व के धरोहर

पीसा की झुकी मीनार

इटली में 'लीनिंग टावर ऑफ़ पीसा' को वास्तुशिल्प का अदभुत नमूना माना जाता है| अपने निर्माण के बाद से ही मीनार लगातार नीचे की ओर झुकती रही है और इसी झुकने की वजह से वह दुनिया भर में भी मशहूर रही है| इस वजह से ख़तरा बना हुआ था कि ये एक दिन गिर जाएगी|पीसा की मीनार 3.99 डिग्री के कोण पर झुका हुआ था लेकिन 1990 तक यह 5.5 डिग्री तक झुक गया था | तब इस मीनार को बंद कर दिया गया था की लगातर झुकाव की वजह से यह गिर न जाये लेकिन अब यह माना जा रहा है की इसका झुकाव अब बंद हो गया है |पीसा के इस मीनार का वजन 14,500 टन लगभग है पीसा की मीनार में में 294 या 296 सीढ़िया है | पीसा का यह विश्व प्रसिद्ध मीनार पश्चिम मध्य इटली के एक क्षेत्र टस्कनी के पीसा शहर में स्थित है | मीनार को पूरा करने में 200 साल लगे|पीसा की झुकी हुई मीनार का निर्माण 1173 में शुरू हुआ था, जो पीसा के गिरजाघर परिसर की तीसरी और अंतिम संरचना थी। विशेष रूप से, इसे परिसर के घंटाघर के रूप में इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया था।वास्तुकार बोनानो पिसानो ने इसका निर्माण कार्य शुरू किया था।कुछ लोगों का कहना है कि यह टावर दिखावे के लिए चोरी के पैसे से बनाया जा रहा था लेकिन गुरुत्वाकर्षण का केंद्र बिगड़ गया और टावर एक अलग दिशा में झुकने लगा।

धीरज कुमार(शिक्षक)
UMS सिलौटा, भभुआ(कैमूर) बिहार

ToB बालमन

शिक्षा का महत्व

शिक्षा की रौशनी से जीवन जगमगाता है।

शिक्षा की शक्ति से हमारे सपने सच होते है।

शिक्षा की राह में हमारे भविष्य उज्जव होता है।

शिक्षा की ज्योति से हमारे जीवन में नई दिशा मिलती है।

शिक्षा की बाते हमे जीवन की राह दिखाती है।

शिक्षा की शक्ति से हमारे जीवन में परिवर्तन आता है।

शिक्षा की रोशनी से हमारे जीवन में नई आशा जगती है।

शिक्षा की ज्योति से हमारे जीवन में नई दिशा मिलती है।

सुरभि पटेल(छात्रा)
वर्ग 9
राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय
भभुआ, कैमूर (बिहार)

ToB बालमन

आपके पेंटिंग

भाग 1

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल
टिटोली,ता. इगतपुरी,
जिला. नासिक(महाराष्ट्र)

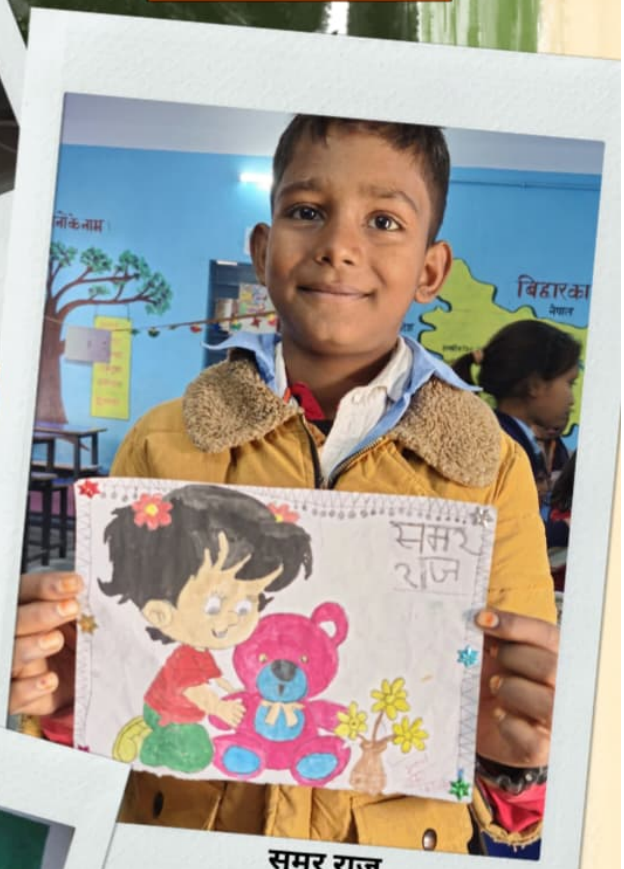

समर राज
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला
कलगीगंज
कहलगाँव भागलपुर

संतोष कुमार
सरौनी कला (मधेपुरा)

ToB बालमन

आपके पेंटिंग

भाग 2

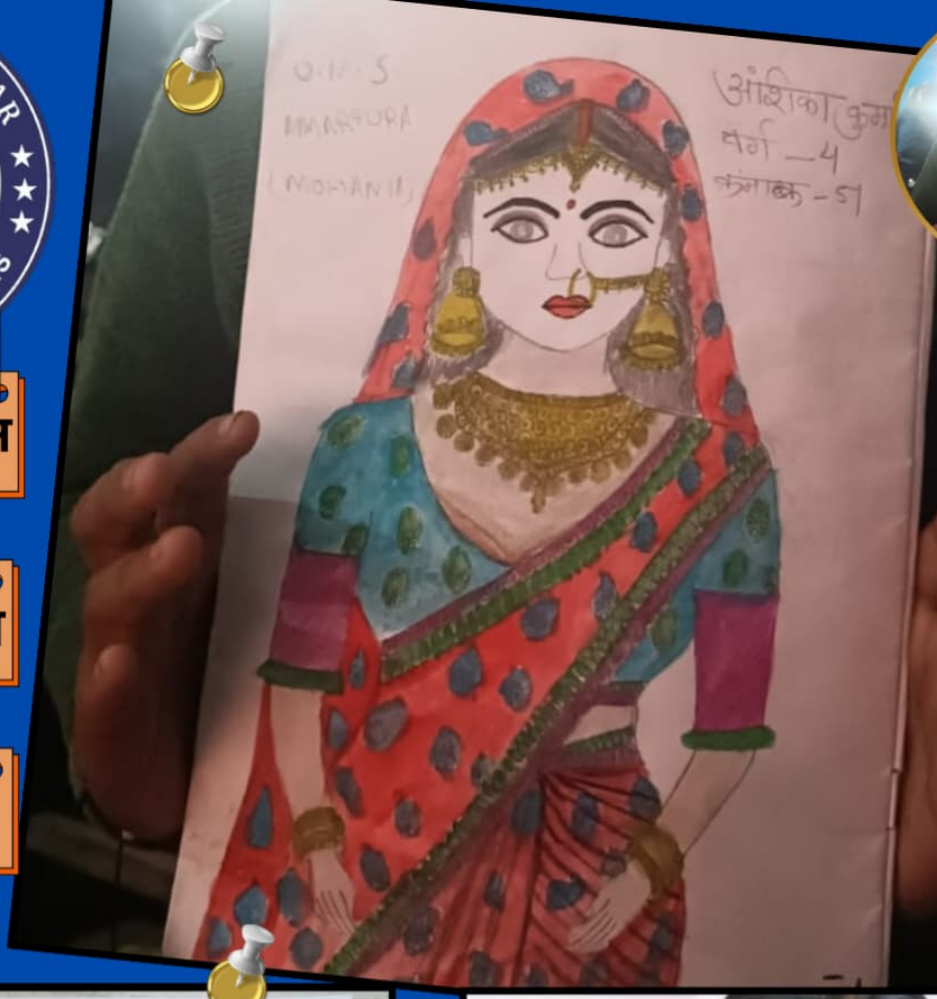

UMS अमरपुरा
मोहनियां (कैमूर)

सौजन्य से आशीष सर अररिया
सोनभद्र एक्सप्रेस

मध्य विद्यालय शाकहरा (मुंगेर)

मध्य विद्यालय शाकहरा (मुंगेर)

वर्ग:-4 काजल कुमारी और चाँदनी कुमारी नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बरमदिया इजमाल, चकिया पूर्वी चंपारण

R.u.m.s Dudahan
siwan

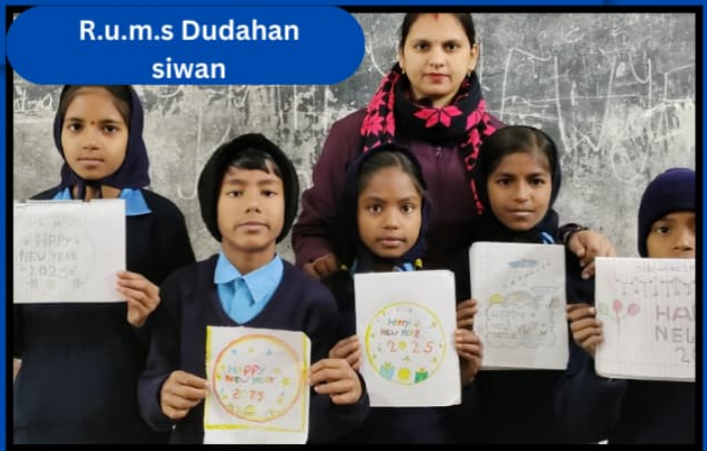

ToB बालमन कविता

शक्ति की अवतार

नारी को कमजोर न समझो,
वह है शक्ति की अवतार।
अगर वह चाह जाये तो
बदल देगी पूरा संसार।
अबला से बन गई है सबला,
आसमान छू सकती है।
अपने अधिकार के लिए
दुनिया से लड़ सकती है।
नारी को खिलौना ना समझो,
वह है जीवन की पतवार।
नारी को कमजोर ना समझो,
वह है शक्ति की अवतार।

अंजली कुमारी
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
मोहनियां(कैमूर)

मुनिया की चोटी

ToB

बालमन

मम्मी जी की चोटी
दीदी जी की चोटी
पंडित जी की चोटी
मैं थी बिल्कुल छोटी
मेरी नहीं थी चोटी

मैंने मां से कहा एक दिन
पढ़ाई को जाओ तुम भूल
मैं नहीं जाऊंगी स्कूल
यदि कल तक नहीं
निकलेगी मेरी चोटी
नहीं मैं खाऊंगी रोटी

सज धज कर मम्मी हुईं तैयार
अमीनाबाद के गईं बाजार
दूकान से खरीदी टोपी
उसके थीं दो लंबी चोटी
पहना दी उसको मेरे सर पर
खुश होकर मैं स्कूल दौड़ गई सरपट

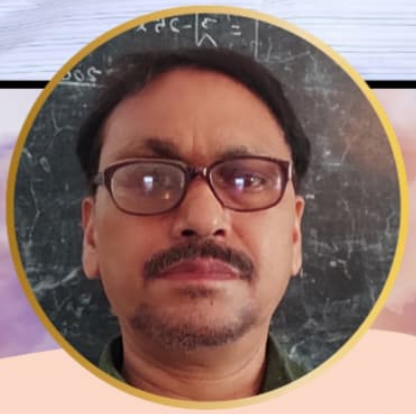

शरद कुमार वर्मा
रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल
चारबाग, लखनऊ (U.P.)

TOB

बालमन आपकी पेंटिंग

भाग 3

शिवाली ,क्लास 5
रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल, लखनऊ (U.P.)

आकृति कुमारी
UMS अर्रा,
मोहनियां कैमूर

ToB बालमन

आपकी पेंटिंग

भाग 4

प्रा ०वि ० प्रखंड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ (पटना)

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी
नरपतगंज (अररिया)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट
(गोपालगंज)

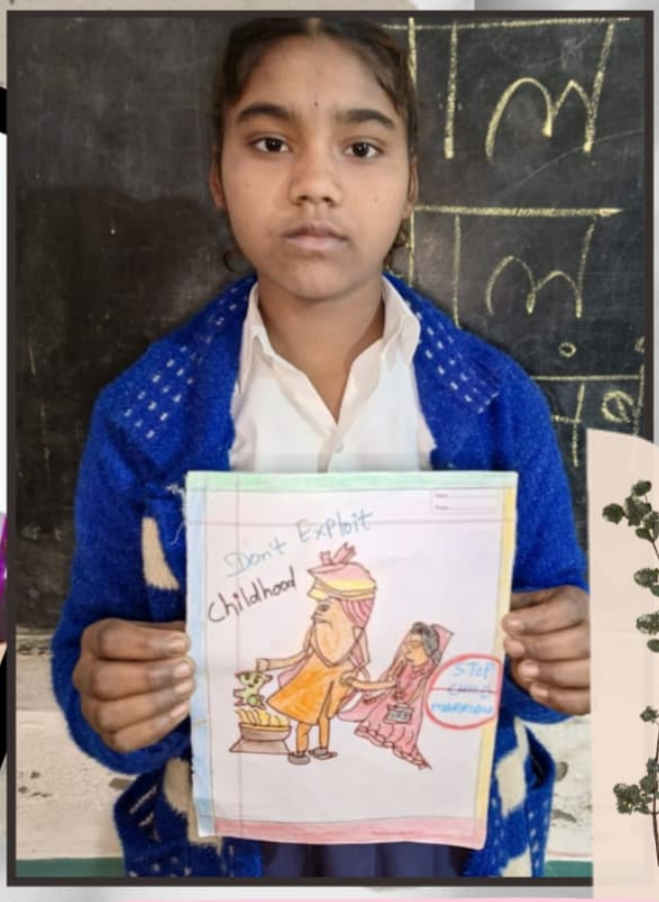

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा
समेली(कटिहार)

ToB बालमन

आपकी पेंटिंग

भाग 5

4 jan.Braille day drawing
R.U.M.S.DUDAHAN(SIWAN)

राकेश कुमार
वर्ग-4
प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला
कलगीगंज
कहलगाँव भागलपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
अर्रा मोहनियां(कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय बैरगाछी कुमारपुर
कटिहार

रिया कुमारी ,क्लास 4
Ps mahespatti Purab bhag,Arariya

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा, समेली
कटिहार

ToB बालमन

आपकी पेटिंग भाग 6

जिल्हा परिषद मॉडेल स्कूल टिटोली,ता. इगतपुरी, जि. नासिक, महाराष्ट्र

प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला कलगीगंज कहलगाँव भागलपुर

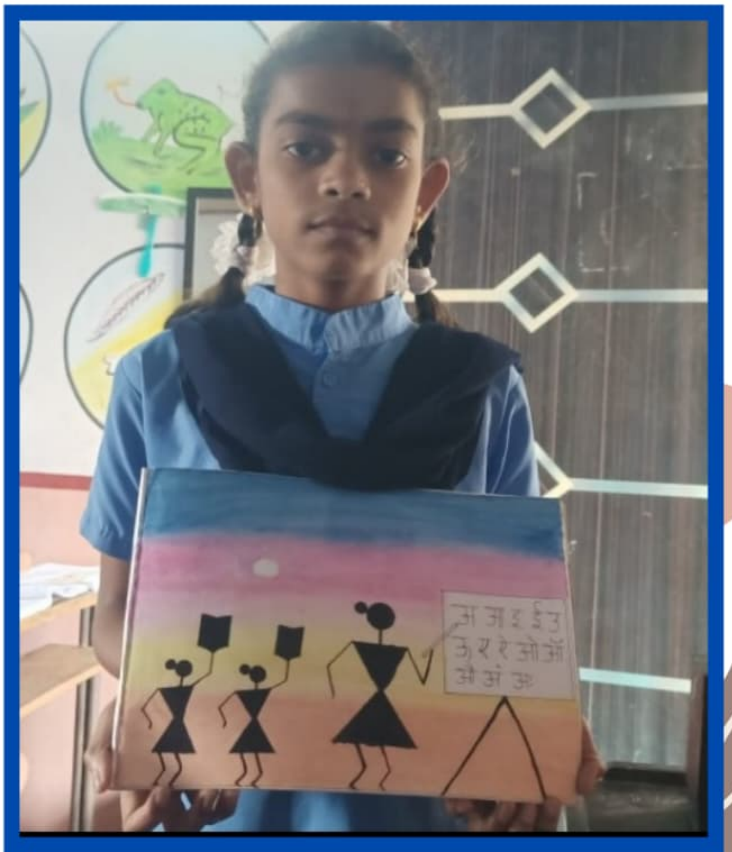

सूरज दादा ससुराल गये,
लेकर धूप,गर्मी साथ गये---२।

मंगलवार को वो ससुराल गये
चार दिन से हैं वहीं पड़े,
कितनी बार हम फ़ोन लगाए
लेकिन फोन नही उठा रहे।
सूरज दादा ----------२।

यहाँ ठंड से लोग है मरता
सूरज दादा कोई फर्क नही पड़ता,
चाहे लोग मरे या जिये
सूरज दादा ससुराल गये।

भूल गए हैं ससुराल वो जाकर
सो रहे हैं छप्पन प्रकार वो खाकर,
अभी किसी की वो नहीं सुन रहे
सूरज दादा ससुराल गये।

कब आएँगे किसी को नही है पता
सूरज दादा से हैं सब कोई खता,
कैसे करें कोई बात है उनसे
वो रहते हैं हरदम गुस्से से भरे।
सूरज दादा ------२।

लगता है एक सप्ताह बाद आएँगे
दादी को भी साथ लाएँगे,
संग में गरमी साथ लाएँगे
तबतक ठंड से हमसब हैं छटपटा रहे
सूरज दादा ससुराल गये।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन कविता

सूरज दादा ससुराल गए

नीतू रानी
स्कूल -म०वि०सुरीगाँव
प्रखंड -बायसी
जिला -पूर्णियाँ
राज्य - बिहार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
India
जय हिन्द
Republic day
26 January 2025
ToB बालमन की तरफ से समस्त देशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं

26th JANUARY

गणतंत्र दिवस विशेष

प्राथमिक विद्यालय महेश पट्टी
नरपतगंज(अररिया)

बच्चों द्वारा बनाई गई छब्बीस जनवरी पर
छब्बीस।म०वि०सुरीगाँव बायसी पूर्णियाँ

UHS कोटा नुआंव (कैमूर)

राजकीय उ० मध्य विद्यालय सेनुअरिया
(पश्चिमी चंपारण)

प्रा. वि. बैरागाछी, कुमारीपुर,मनिहारी, कटिहार

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर (कैमूर)

UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

मध्य विद्यालय बेलागोपी, गायघाट, मुज़फ्फरपुर

मध्य विद्यालय पथराहा अररिया

गुरु दक्षिणा

एक बार एक शिष्य ने विनम्रतापूर्वक अपने गुरु जी से पूछा-'गुरु जी,कुछ लोग कहते हैं कि जीवन एक संघर्ष है,कुछ अन्य कहते हैं कि जीवन एक खेल है और कुछ जीवन को एक उत्सव की संज्ञा देते हैं। इनमें कौन सही है?'गुरु जी ने तत्काल बड़े ही धैर्यपूर्वक उत्तर दिया-'पुत्र,जिन्हें गुरु नहीं मिला उनके लिए जीवन एक संघर्ष है; जिन्हें गुरु मिल गया उनका जीवन एक खेल है और जो लोग गुरु द्वारा बताये गए मार्ग पर चलने लगते हैं,मात्र वे ही जीवन को एक उत्सव का नाम देने का साहस जुटा पाते हैं।'यह उत्तर सुनने के बाद भी शिष्य पूरी तरह से संतुष्ट न था। गुरु जी को इसका आभास हो गया।वे कहने लगे-'लो,तुम्हें इसी सन्दर्भ में एक कहानी सुनाता हूँ। ध्यान से सुनोगे तो स्वयं ही अपने प्रश्न का उत्तर पा सकोगे।'

उन्होंने जो कहानी सुनाई,वह इस प्रकार थी-एक बार की बात है कि किसी गुरुकुल में तीन शिष्यों नें अपना अध्ययन सम्पूर्ण करने पर अपने गुरु जी से यह बताने के लिए विनती की कि उन्हें गुरुदाक्षिणा में, उनसे क्या चाहिए।गुरु जी पहले तो मंद-मंद मुस्कराये और फिर बड़े स्नेहपूर्वक कहने लगे-'मुझे तुमसे गुरुदक्षिणा में एक थैला भर के सूखी पत्तियां चाहिए,ला सकोगे?' वे तीनों मन ही मन बहुत प्रसन्न हुए क्योंकि उन्हें लगा कि वे बड़ी आसानी से अपने गुरु जी की इच्छा पूरी कर सकेंगे।सूखी पत्तियाँ तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती हैं। वे उत्साहपूर्वक एक ही स्वर में बोले-'जी गुरु जी, जैसी आपकी आज्ञा।'

अब वे तीनों शिष्य चलते-चलते एक समीपस्थ जंगल में पहुँच चुके थे।लेकिन यह देखकर कि वहाँ पर तो सूखी पत्तियाँ केवल एक मुट्ठी भर ही थीं ,उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा। वे सोच में पड़ गये कि आखिर जंगल से कौन सूखी पत्तियां उठा कर ले गया होगा? इतने में ही उन्हें दूर से आता हुआ कोई किसान दिखाई दिया।वे उसके पास पहुँच कर, उससे विनम्रतापूर्वक याचना करने लगे कि वह उन्हें केवल एक थैला भर सूखी पत्तियां दे दे।अब उस किसान ने उनसे क्षमायाचना करते हुए, उन्हें यह बताया कि वह उनकी मदद नहीं कर सकता क्योंकि उसने सूखी पत्तियों का ईंधन के रूप में पहले ही उपयोग कर लिया था। अब, वे तीनों, पास में ही बसे एक गाँव की ओर इस आशा से बढ़ने लगे थे कि हो सकता है वहाँ उस गाँव में उनकी कोई सहायता कर सके।वहाँ पहुँच कर उन्होंने जब एक व्यापारी को देखा तो बड़ी उम्मीद से उससे एक थैला भर सूखी पत्तियां देने के लिए प्रार्थना करने लगे लेकिन उन्हें फिर से एकबार निराशा ही हाथ आई क्योंकि उस व्यापारी ने तो, पहले ही, कुछ पैसे कमाने के लिए सूखी पत्तियों के दोने बनाकर बेच दिए थे लेकिन उस व्यापारी ने उदारता दिखाते हुए उन्हें एक बूढी माँ का पता बताया जो सूखी पत्तियां एकत्रित किया करती थी।पर भाग्य ने यहाँ पर भी उनका साथ नहीं दिया क्योंकि वह बूढी माँ तो उन पत्तियों को अलग-अलग करके कई प्रकार की ओषधियाँ बनाया करती थी।अब निराश होकर वे तीनों खाली हाथ ही गुरुकुल लौट गये।गुरु जी ने उन्हें देखते ही स्नेहपूर्वक पूछा- 'पुत्रो,ले आये गुरुदक्षिणा ?'तीनों ने सर झुका लिया। गुरू जी द्वारा दोबारा पूछे जाने पर उनमें से एक शिष्य कहने लगा- 'गुरुदेव,हम आपकी इच्छा पूरी नहीं कर पाये। हमने सोचा था कि सूखी पत्तियां तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती होंगी लेकिन बड़े ही आश्चर्य की बात है कि लोग उनका भी कितनी तरह से उपयोग करते हैं।'गुरु जी फिर पहले ही की तरह मुस्कराते हुए प्रेमपूर्वक बोले-'निराश क्यों होते हो ?प्रसन्न हो जाओ और यही ज्ञान कि सूखी पत्तियां भी व्यर्थ नहीं हुआ करतीं बल्कि उनके भी अनेक उपयोग हुआ करते हैं; मुझे गुरुदक्षिणा के रूप में दे दो।'तीनों शिष्य गुरु जी को प्रणाम करके खुशी-खुशी अपने-अपने घर की ओर चले गये।

वह शिष्य जो गुरु जी की कहानी एकाग्रचित्त हो कर सुन रहा था,अचानक बड़े उत्साह से बोला-'गुरु जी,अब मुझे अच्छी तरह से ज्ञात हो गया है कि आप क्या कहना चाहते हैं।आप का संकेत, वस्तुतः इसी ओर है न कि जब सर्वत्र सुलभ सूखी पत्तियां भी निरर्थक या बेकार नहीं होती हैं तो फिर हम कैसे, किसी भी वस्तु या व्यक्ति को छोटा और महत्त्वहीन मान कर उसका तिरस्कार कर सकते हैं?चींटी से लेकर हाथी तक और सुई से लेकर तलवार तक-सभी का अपना-अपना महत्त्व होता है।'गुरु जी भी तुरंत ही बोले-'हाँ, पुत्र,मेरे कहने का भी यही तात्पर्य है कि हम जब भी किसी से मिलें तो उसे यथायोग्य मान देने का भरसक प्रयास करें ताकि आपस में स्नेह, सद्भावना,सहानुभूति एवं सहिष्णुता का विस्तार होता रहे और हमारा जीवन संघर्ष के बजाय उत्सव बन सके। दूसरे,यदि जीवन को एक खेल ही माना जाए तो बेहतर यही होगा कि हम निर्विक्षेप,स्वस्थ एवं शांत प्रतियोगिता में ही भाग लें और अपने निष्पादन तथा निर्माण को ऊंचाई के शिखर पर ले जाने का अथक प्रयास करें।'अब शिष्य पूरी तरह से संतुष्ट था

महाकुंभ मेला

महाकुंभ मेला 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित होने जा रहा है।

हिंदू धर्म में कुंभ मेला एक धार्मिक तीर्थयात्रा है जो 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाई जाती है। कुंभ मेले का भौगोलिक स्थान भारत में चार स्थानों पर फैला हुआ है और मेला स्थल चार पवित्र नदियों पर स्थित चार तीर्थस्थलों में से एक के बीच घूमता रहता है, जैसा कि नीचे सूचीबद्ध है:-

- हरिद्वार, उत्तराखंड में, गंगा के तट पर
- मध्य प्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर
- नासिक, महाराष्ट्र में गोदावरी के तट पर
- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर

कुम्भ मेले में सभी धर्मों के लोग आते हैं,जिनमें साधु और नागा साधु शामिल हैं, जो साधना करते हैं और आध्यात्मिक अनुशासन के कठोर मार्ग का अनुसरण करते हैं, संन्यासी जो अपना एकांतवास छोड़कर केवल कुंभ मेले के दौरान ही सभ्यता का भ्रमण करने आते हैं, अध्यात्म केसाधक और हिंदू धर्म का पालन करने वाले आम लोग भी शामिल हैं। इस पावन दृश्य का आनंद एवं संगम स्नान हेतु एक बार जरूर करना चाहिए।

कुमार राकेश मणि(UHS कोटा नुआंव, कैमूर)

ToB बालमन

पेन और पेंसिल आर्ट

UHS सलथुआ कुदरा कैमूर

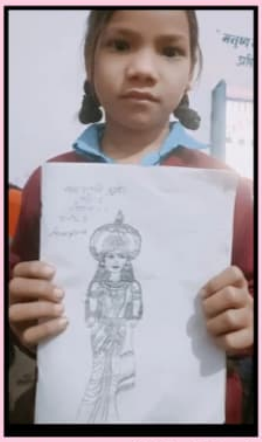

UMS अमरपुरा मोहनियां (कैमूर)

रानी कुमारी ,वर्ग 6
मध्य विद्यालय पनसलवा ,बेलदौर(खगड़िया)

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा,समेली (कटिहार)

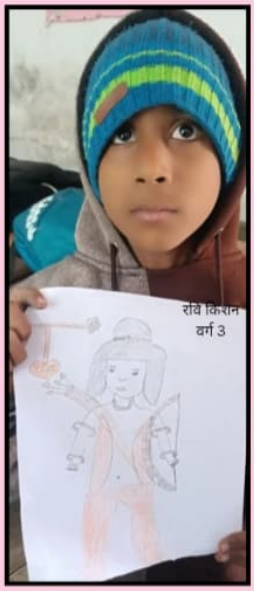

UMS सिलौटा(कैमूर)

सुरभि कुमारी
प्राथमिक विद्यालय उचित धाम पिपरा
प्रखंड अमौर
पूर्णिया

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय राँटी (मधुबनी)

शाँति कुमारी, वर्ग नौ,
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय राँटी (मधुबनी)

UMS बहेरिया, चांद (कैमूर)

Kasturi ,class 6 Varanasi (U.P.)

अखतरी निशा ,ठाकुरगंज, किशनगंज

अपेक्षा कुमारी,वर्ग 6
किशनगंज

निधि चौधरी जी की तस्वीर
सौजन्य से आशीष सर
(अररिया)

फलक नाज़
उर्दू प्राथमिक विद्यालय करवंदिया
चांद (कैमूर)

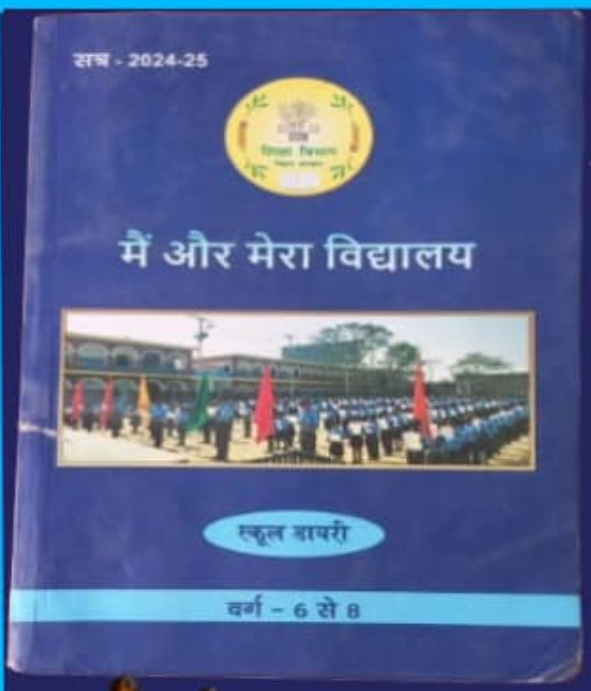

राकेश कुमार

माह February

प्रमुख दिवस / जयंती

04 फरवरी	विश्व कैंसर दिवस
28 फरवरी	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

दिवस मनाने का उद्देश्य किसी खास घटना या व्यक्ति को याद करना, उसका सम्मान करना, और उससे जुड़े मूल्यों को लोगों में फैलाना होता है।

यह दिवस / जयंती बच्चों को जो स्कूल डायरी दी गई है उस पर आधारित है।

ToB बालमन मगही कविता

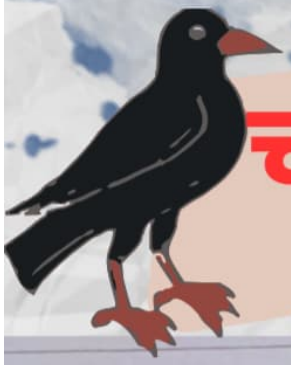

चालाक कऊआ

आके बइठल दूर कही से एक डाल पर कउआ ।
समझ रहल हम चलाके ही जइसन जग में नउआ ।।
लेके रोटी चोंच में अप्पन बड़ी देर से सोच रहल हल ।
पेड़ के नीचे बइठल सियार भी ओकरा देख रहल हल ।।
भर के पानी मुँह में बोलल उ सियार कउआ से ।
तोहर बोली बड़ी नीक हे जग के सब कउआ से ।।
पकड़ पैर से रोटी बोलल सुन सियार के बोली ।
झुठ बड़ाई करे में तोहर बड़ी कुशल हे बोली ।।
पुरखन के तूँ रिझा-रिझा के खा ले ले हे रोटी ।
खुलल चोंच हम बोल रहल ही चुँगुल में हे रोटी ।।
हम ही चलाक अप्पन पुरखन से चमचागिरी तू छोड़ ।
मिहनत करके रोटी पावे के तू हूँ लगाव अब होड़ ।।
सुन कउआ के बोली सियार, अँगुली दाँत दबयलक ।
बड़ा भर पानी सियार पर पड़ल अप्पन मुँह बनयलक ।।
जे बुड़बक हल उचलाक अब, चमचागिरी के भुलऽ ।
सबके आगे-प्रेम-भाव से तूँ हूँ अब तऽ खुलऽ ।।

राकेश (शिक्षक)
प्राथमिक विद्यालय बड़की बलियारी
विक्रम (पटना)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
DPO SSA
KAIMUR
Paresh Sarvaiya
HEAD - VSSE.
इसरो isro
Deepak Kumar
Sr. Scientist
Rohit Kumar
Sr. Scientist
SAC
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र, इसरो (अहमदाबाद)
VIKRAM SARABHAI SPACE EXHIBITION (VSSE)
Organised by:-
+ 2 HIGH SCHOOL BHABUA (KAIMUR)
Date : 27-28 Jan. 2025
Highlights :
• Various Competition to Promote Interest in Space Science
• Space Science & Technology Exhibition
• Space on Wheels
• Demonstration of Rocket Launching
• Interaction with Scientists From ISRO
Guest of Honour:
Rohit Kumar
Sr. Scientist
SPACE APPLICATIONS CENTRE, ISRO
AHMEDABAD
Deepak Kumar
Sr. Scientist
SPACE APPLICATIONS CENTRE, ISRO
AHMEDABAD
Chief Guest
Paresh Sarvaiya
HEAD - VSSE,
SPACE APPLICATIONS CENTRE, ISRO
AHMEDABAD
DHIRAJ KUMAR

ToB बालमन

बालिका दिवस विशेष

When we educate a girl, we educate a nation".

मध्य विद्यालय बिठला परबत्ता खगड़िया

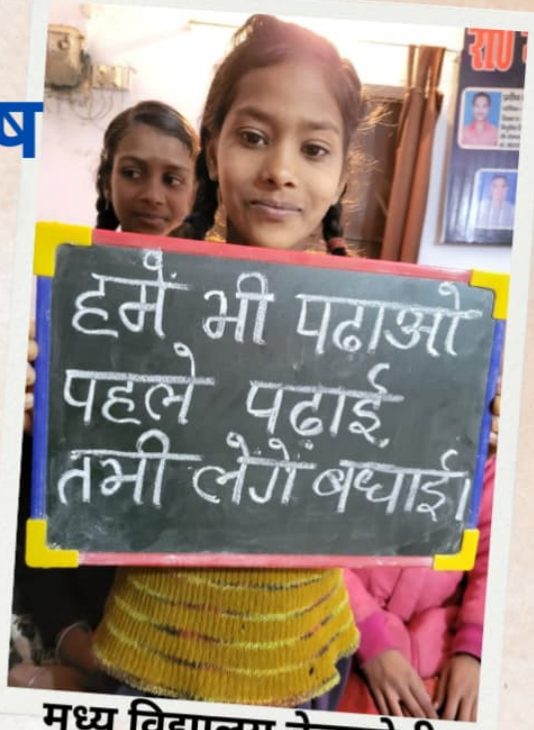

मध्य विद्यालय बेलागोपी, गायघाट, मुज़फ्फरपुर।

उच्च माध्यमिक विद्यालय, हांसी बेगमपुर, पूर्णिया

UMS अर्रा मोहनियां कैमूर

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज जिला अररिया

माह: जनवरी 2025

प्रथम शनिवार

दिनांक **04.01.2025**

शीतलहर तूफान से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी

द्वितीय शनिवार

दिनांक **11.01.2025**

रेल / सड़क दुर्घटना से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

तृतीय शनिवार

दिनांक **18.01.2025**

भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)

चतुर्थ शनिवार

दिनांक **25.01.2025**

बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

राकेश कुमार

माह: फरवरी 2025

प्रथम शनिवार दिनांक 01.02.2025	भूंकप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी (मॉकड्रिल)	
द्वितीय शनिवार दिनांक 08.02.2025	कुपोषण से होनेवाली परेशानियां एवं उसके समाधान के सन्दर्भ में जानकारी	
तृतीय शनिवार दिनांक 15.02.2025	बिजली से घात, जल जमाव से परेशानियां तथा बोरिंग के गड्ढे से होनेवाली घटनाओं के बारे में जानकारी	
चतुर्थ शनिवार दिनांक 22.02.2025	जल एवं भूमि का संरक्षण, वायु प्रदूषण एवं पेड़-पौधे का संरक्षण के संदर्भ में जानकारी	

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन

सुरक्षित शनिवार

Saturday

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, बरौली,गोपालगंज

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज,अररिया

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा, समेली, कटिहार

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय आरा नगर भोजपुर

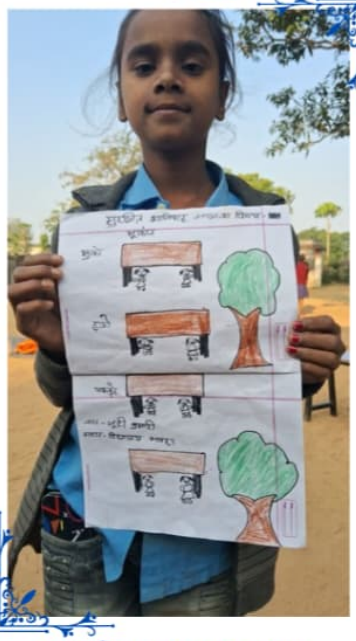

मध्य विद्यालय भनरा, बांका

म ० वि० जमगांव, जगदीशपुर, भागलपुर

दिवस प्रेरणा

सर एडमंड हिलेरी

(पर्वतारोही एवं खोजकर्ता)

हिमालय ने ही छीन लिया था उनका परिवार...

संघर्ष

एडमंड हिलेरी पेशे से एक मधुमक्खी पालक थे। हाई स्कूल में पढ़ाई के दौरान न्युजीलैंड के दक्षिणी आल्पस पर चढ़ाई की थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में सैन्य सेवा भी प्रदान किया। जिस हिमालय ने उन्हें पहचान दी उसी हिमालय की गोद ने उनकी पत्नी और बेटी को छीन लिया। उनकी पहली पत्नी लुईस और बेटी बलिंडा का हेलिकॉप्टर दुर्घटना में 1975 में नेपाल में देहांत हो गया था। इस घटना से वे काफी टूट गये लेकिन हिम्मत नहीं हारी।

सफलता

एडमंड हिलेरी हिमालय के सर्वोच्च शिखर सागरमाथा पर पहुँचने वाले प्रथम व्यक्ति हैं। 29 मई 1953 को तेनजिंग नोर्गे के साथ एवरेस्ट फतह किया । पृथ्वी के दोनों ध्रुवों पर जाने वाले प्रथम व्यक्ति बने। 4 जनवरी 1958 को दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचे। हिमालय के लोगों के भलाई के लिए कई स्कूल, अस्पताल और हवाई अड्डे बनवाये। हिलेरी को उनकी सफलता के लिए 'नाइट' की उपाधि प्रदान की गई। भारत, बांग्लादेश और नेपाल के लिए न्युजीलैंड का राजदूत भी नियुक्त किया गया। वर्ष 1997 में गंगा नदी के मुहाने से इसके उद्गम तक की यात्रा जेट बोट पर जाते हुए उन्होंने जत्थे का नेतृत्व भी किया था।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

ToB बालमन

Black Board Art

राजकीय मध्य विद्यालय
नेउरी बरौली (गोपालगंज)

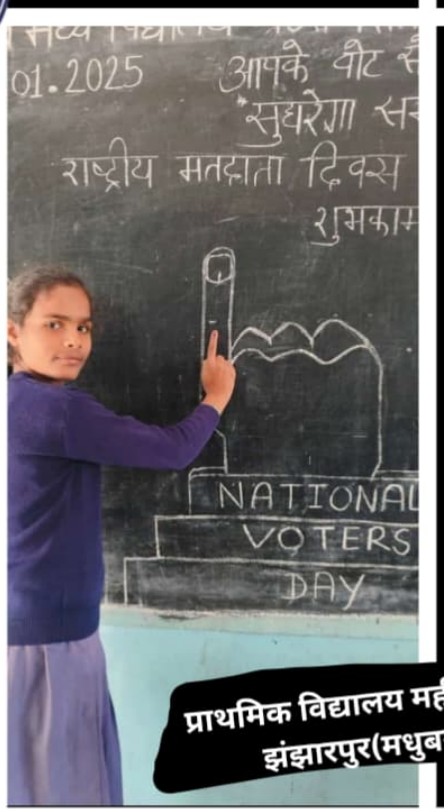

UMS अर्रा मोहनियां, कैमूर

राजकीय
प्राथमिक
विद्यालय
जागेया,
ओबरा
औरंगाबाद

प्राथमिक विद्यालय महीनाथपुर,
झंझारपुर(मधुबनी)

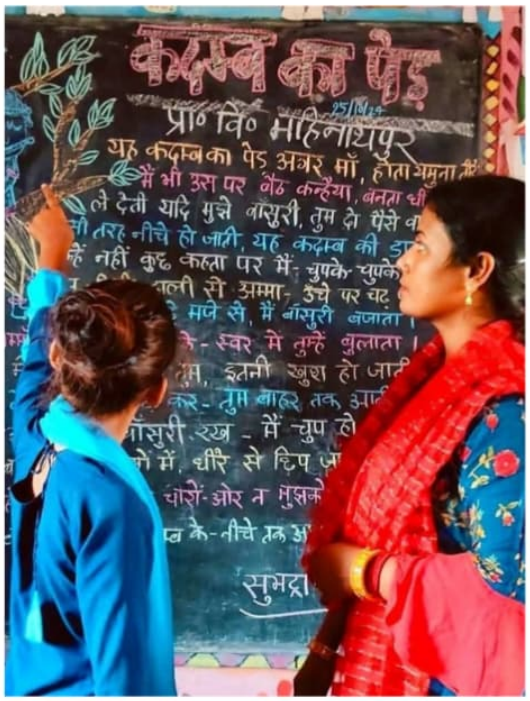

मध्य विद्यालय मलहरिया,
समेली(कटिहार)

UHS.BAIJNATH.RAMGARH.KAIMUR

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

खो-खो वर्ल्ड कप

खो-खो वर्ल्ड कप की चैंपियन बनी इंडिया विमेंस: फाइनल में नेपाल को 78-40 से हराया; टूर्नामेंट में भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी

इंडिया विमेंस टीम ने खो-खो का पहला वर्ल्ड कप जीत लिया है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में रविवार को टूर्नामेंट का फाइनल खेला गया। भारत ने नेपाल को 78-40 के बड़े अंतर से हराया और खिताब पर कब्जा किया।

खो-खो वर्ल्ड कप 13 से 19 जनवरी तक नई दिल्ली में खेला गया। इंडियन टीम टूर्नामेंट में अजेय रही, वहीं नेपाल को फाइनल में ही पहली हार का सामना करना पड़ा। मेंस टीम इंडिया भी फाइनल में पहुंची है, उनका सामना भी नेपाल से ही हो रहा है।

आस्ट्रेलियन ओपन

ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास

ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में US ओपन होता है। US ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

खुशी राज
(पूर्णिया)

UMS दुघरा भभुआ (कैमूर)

प्राथमिक विद्यालय
पिपरा , अमौर
(पूर्णिया)

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

बालमन स्पेशल

प्राथमिक विद्यालय
महेशपट्टी नरपतगंज
(अररिया)

प्राथमिक विद्यालय
प्रखण्ड कॉलोनी
फूलवारीशरीफ
(पटना)

सावित्रीबाई फुले
जयंती विशेष

TOB बालमन

रोचक गणित

January 2025

गणितीय आकृतियां

खुली आकृति

खुली आकृतियाँ निरंतर नहीं होती हैं और वे रेखा खंडों या वक्रों से बनी होती हैं जो आपस में नहीं मिलती हैं।

अक्षर C एक खुली आकृति का उदाहरण है।

बंद आकृति

बंद आकृतियों को बिना किसी रुकावट के ट्रेस किया जा सकता है।वे एक ही स्थान पर शुरू और खत्म होती हैं।

अक्षर D बंद आकृति का एक उदाहरण है।

द्वि-आयामी (2D)आकृति

2D आकृतियों में नाम के अनुरूप केवल दो माप होते हैं, यानि लंबाई और चौड़ाई।

वर्ग, आयत, त्रिभुज, चतुर्भुज, वृत्त 2D आकृति का उदाहरण है।

त्रि-आयामी (3D) आकृति

3D आकार में लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई होती है।

घन, घनाभ, शंकु, बेलन, गोला, अर्धगोला 3D आकृति का उदाहरण है।

Kumar Rakesh Mani (H.M.)
U.H.S. कोटा नुआंव, कैमूर, बिहार

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

बक्सर का किला

बक्सर किला भारत के बिहार राज्य के बक्सर में स्थित एक किला है । बक्सर भारत के पूर्वी भाग में बिहार राज्य का एक शहर है जो पूर्वी उत्तर प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है। यह बक्सर जिले का मुख्यालय है । इस किले की स्थापना राजा रुद्र देव ने वर्ष 1054 में की थी। जब राजा रूद्रदेव ने किले का निर्माण कराया था, उस समय सुरक्षा की दृष्टिकोण से किले के चारों तरफ तकरीबन 10 फीट चौड़ी दीवार बनवाई गई थी लेकिन आज इस किले की मोटी दीवारें ढह रही हैं। राजा रूद्रदेव किला के दक्षिण-पूर्वी हिस्से पर भैरव नाथ का एक मन्दिर भी स्थापित है । जहां कुछ पुजारी व संत हमेशा रहते है. मन्दिर में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का आवागमन सुबह से लेकर शाम तक होते रहता है। किले के अंदर एक बड़ा सा घर मौजूद है। कहा जाता है कि जब अंग्रेजी हुकूमत थी तो इसमें अंग्रेज अपने गोला-बारूद और हथियार रखते थे जिसे आज बारूद घर के नाम से जाना जाता है। किले के अंदर कई जगहों पर संतरी घर भी बनाए गए थे । किले में एक संतरी पोस्ट बारूद घर के पास भी है। हालांकि,अब इस किले की अस्तित्व खतरे में आ चुका है। हर साल गंगा के कटाव में किले की मिट्टी पानी में विलीन हो रही है।

बक्सर का किला बक्सर के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। यह एक बहुत ही भव्य ऐतिहासिक किला है जिसे देखने के लिए देश भर से सैलानी आते हैं। यह क़िला अपने यहाँ आने वाले सैलानियों को शहर के गौरवशाली अतीत को बयान करता जान पड़ता है। इस क़िले की वास्तुकला बहुत ही लाजवाब है। यह अपनी भव्य दीवारों और राजसी प्रवेश द्वारों से लोगों का मन मोह लेता है।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

TOB बालमन

Welcome!

चेतना सत्र

मध्य विद्यालय लहना रामपुर(अररिया)

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कटहरा,खतबे टोला छातापुर(सुपौल)

UMS सिलौटा, भभुआ(कैमूर)

मध्य विद्यालय सैनो ,जगदीशपुर (भागलपुर)

प्रा० वि० कौवाली टोला मुसहरी,सिकटी, अररिया

म०वि०सुरीगाँव बायसी(पूर्णियाँ)

ToB बालमन

हँसी के हसगुल्ले

टीचर - कल जो पाठ याद करनेको दिया था, वो याद करके आए हो ?

स्टूडेंट – नहीं मैम

टीचर - "क्यों ?"

स्टूडेंट – "कल रात को जैसे ही मैं पढ़ने बैठा, लाइट चली गई ... "

टीचर - "तो लाइट फिर आई तो होगी ?"

स्टूडेंट - "आई थी मैम, पर जैसे ही मैं फिर पढ़ने बैठा फिर लाइट चली गई

"टीचर - "तो लाइट फिर नहीं आई क्या ? "

स्टूडेंट – "आ गई थी मैम लेकिन मैं फिर इस डर से पढ़ने नहीं बैठा कि कहीं मेरी वजह से लाइट फिर ना चली जाए .... !!!"

रमेश (अपनी मम्मी से): मम्मी मैं कल से स्कूल नहीं जाऊंगा....

मम्मी : क्यों आज फिर कुटाई हुई क्या तेरी स्कूल में ?

रमेश : मैडम अपने आप को पता नहीं क्या समझती है..

मम्मी : ऐसा भी क्या हो गया ?

रमेश : मैडम ने खुद ब्लैकबोर्ड पर लिखा

" महाभारत "

और मुझसे पूछने लगी की महाभारत किसने लिखा है तो मैंने भी कह दिया की आपने ही तो लिखा है उतने में मैडम गुस्सा हो गई !!!

अरविंद कुमार

ToB बालमन कविता

जनवरी 2025

अच्छे बालक की पहचान

अच्छे बालक की पहचान हमेशा देते हैं सबको मान।
पढ़-लिख कर बनते हैं ज्ञानवान जो होते हैं बुद्धिमान।।

अच्छे बच्चे कभी झूठ नहीं बोला करते।
सोच-विचार कर मुख अपना खोला करते।।

निज सभ्यता व संस्कृति की रक्षा करते।
कठिन परिश्रम कर आगे वे बढ़ा करते।।

अच्छे बालक हर कार्य को करते हैं स्वीकार।
कभी नहीं करते किसी भी बात को इंकार।।

मधुर भाषी बन कर स्नेह रखते हैं बरकरार।
मेहनत के बल पर करते हैं खूब चमत्कार।।

अच्छे बच्चे की आदतें सदैव उन्हें मान दिलाती हैं।
हँसते-मुस्कुराते हुए ज़िंदगी में सम्मान दिलाती हैं।।

अच्छे बालक सभी के मददगार साबित होते हैं।
अपने हुनर से बेहतरीन कलाकार साबित होते हैं।।

अच्छे बालक की पहचान दिल में स्थान बनाती है।
प्रतिभाशाली की खूबियाँ देश को महान बनाती हैं।।

कवयित्री: डॉक्टर ऋचा शर्मा " श्रेष्ठा"
करनाल (हरियाणा)

ToB बालमन

गुणकारी सब्ज़ी

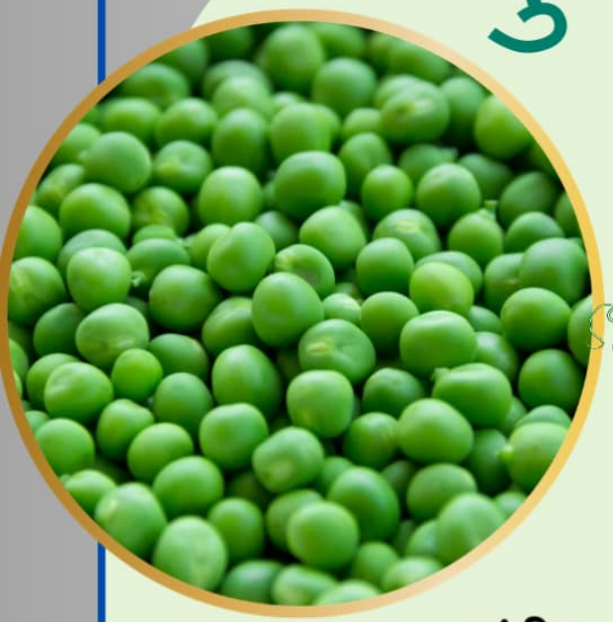

मटर

मटर या मटरशुंटी एक फूल धारण करने वाला द्विबीजपत्री पौधा है। मटर का वानस्पतिक नाम पिसम सैटिवम है जो फैबेसी परिवार से संबंधित है। इसकी जड़ में गांठे मिलती हैं। इसकी संयुक्त पत्ती के अगल कुछ पत्रक प्रतान में बदल जाते हैं। यह शाकीय पौधा है जिसका तना खोखला होता है। मटर की डाल में भी कई तरह के विटामिन्स और खनिज होते हैं। पहले के समय में हरी मटर को केवल सीजन आने पर ही खाया जाता था लेकिन अब बढ़ती टेक्नोलॉजी के चलते हरी मटर के दानो को निकाल कर उन्हें वैक्यूम कर फ्रोज़न कर दिया जाता है जिससे की हरी मटर पूरे साल भर मिल सकती है, और इसके अलावा हरी मटर के दानो को सूखा कर भी इसे उपयोग किया जाता है, सुखाने के बाद खड़ी मटर को दो हिस्सों में तोड़ दिया जाता है और उसे मटर की दाल का रूप दे दिया जाता है। इसमें विटामिन-सी, मैग्नीशियम, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। मटर में घुलनशील फाइबर भी पाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सामान्य करता है इससे आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

धीरज कुमार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

Cyber सुरक्षा

★★★★★

हेल्पलाइन नंबर :
1930

बालमन

साइबर शिक्षा से होगी साइबर सुरक्षा

किसी भी व्हाट्सएप ग्रुप में अज्ञात लिंक या .apk File आए तो कृप्या उसे टच या इंस्टॉल नहीं करें। ऐसा करने से आपका मोबाईल/फोन हैक हो सकता है।

ToB बालमन

Photo of the month

Part 1 हर तस्वीर कुछ कहती हैं...

आ.म.वि.बरदाहा सिकटी अररिया

प्राथमिक विद्यालय महेशपट्टी नरपतगंज (अररिया)

उर्दू प्राथमिक विद्यालय भभुआ 1 द्वारा बच्चों को सिटी पार्क भभुआ का भ्रमण करवाया गया।

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट (गोपालगंज)

उच्च विद्यालय छांव
दुर्गावती (कैमूर)

ToB बालमन

हर तस्वीर के पीछे कुछ कहानी होती हैं...

Photo of the month Part 2

UHS रांटी (मधुबनी)में आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण

प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया(अररिया)

मध्य विद्यालय सिमराहा, अररिया

ToB बालमन
शिक्षण अधिगम सामग्री

TLM का नाम → **OPPOSITE WORD**

TLM जिस कक्षा के लिए उपयुक्त हैं → वर्ग 4 एवं 5

TLM से सम्बंधित विषय → ENGLISH

सीखने के बिन्दु:- इस TLM के माध्यम से हम निम्न बिन्दुओं की अवधारणा स्पष्ट कर पाएंगे -

(i) शब्दों के अर्थ समझेंगे और खुद सेऑपोजिट वर्ड की जांच करते हुए जान पाएंगे।

TLM बनाने हेतु सामग्री →

कूट और विभिन्न रंग के कागज आवश्यकतानुसार, गोंद

TLM बनाने की विधि →

एक बड़े आकार के कुट के आयताकार टुकड़े को बीच से मार्कर द्वारा चिन्ह करके दो बराबर भागों में बांट लेंगे। आयताकार पट्टी के साइज के अनुसार कुट के दो वृताकार टुकड़े को काट लेंगे। एक टुकड़े के किनारे किनारे English के कुछ Words तथा उसके Opposite Words को मिश्रित रूप में लिख देंगे। घड़ी की सुई की तरह मोटे कागज का दो थोड़ा चौड़ा सुई बनाएंगे, जिसमें एक पर शब्द तथा दूसरे पर Opposite लिखकर पहले वृताकार टुकड़े के केंद्र में पिन लगाकर फिक्स कर देंगे। दूसरे वृताकार टुकड़े के किनारे किनारे वही Words लिखेंगे जो पहले वाले टुकड़े पर लिखे गए हैं, पर Opposite Words को किनारे वाले पंक्ति में नहीं लिखेंगे। Opposite Words को लिखने के लिए किनारे वाली पंक्ति के अंदर एक वृत्त बनाकर उस पर इस प्रकार लिखेंगे

प्रत्येक Word का Opposite Word उसके ठीक अंदर वाले कॉलम में हो।

TLM उपयोग करने की विधि

Word वाले सुई को किसी Word पर ले जाकर बच्चों से उसके Opposite पूछेंगे। बच्चा सारे Word को देखने के बाद उस Word के Opposite पर Opposite वाला सुई कर देगा। उत्तर सही है या गलत इसकी जांच करने के लिए बच्चों से कहेंगे कि दूसरे वाले छोटे वृत्त को इस प्रकार घुमाए की उसका कट भाग संबंधित Word के सामने पड़ जाए। कट भाग में से उस Word का सही Opposite Word दिखाई देगा। इस प्रकार बच्चा आश्वस्त हो जाएगा कि हमने सही उत्तर दिया है या गलत।

TLM चित्र

TLM निर्माणकर्ता

अवधेश राम(शिक्षक)
U.M.S. बहुआरा, भभुआ
(कैमूर) बिहार

ToB बालमन

Photo of the month part 3

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय
कुचायकोट (गोपालगंज)

उच्च माध्यमिक विद्यालय मलहरिया
समेली (कटिहार)

पर्दा कन्या मध्य विद्यालय
आरा (भोजपुर)

Photo of the month

Part 4

मध्य विद्यालय
अरिहाना,आजमनगर(कटिहार)

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़, कैमूर

मध्य विद्यालय सिमराहा
अररिया

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

20 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, षष्ठी तिथि, सोमवार 20 जनवरी 2025

Teachers of Bihar का छठा स्थापना दिवस

The Change Makers

टीचर्स ऑफ बिहार के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए संस्था की वेबसाइट www.teachersofbihar.org देखें।

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"भरोसा खुद पर रखो तो ताकत बन जाती है, दूसरों पर रखो तो कमजोरी बन जाती है।"

आज के दिन

1817– कलकत्ता हिन्दू कॉलेज की स्थापना। कोलकाता में अंग्रेजी शैली का पहला विद्यालय 'द हिन्दू कॉलेज' (बाद में प्रजिडेंसी कॉलेज कहलाया) की स्थापना 20 जनवरी, 1817 ई. को राजाराम मोहन राय ने डच घड़ीसाज़ डेविड हेयर के सहयोग से किया।

1892– पहली बार बास्केट बॉल खेला गया।

1957– भारत की पहली परमाणु भट्ठी 'अप्सरा' का उद्घाटन हुआ।

1972– अरूणाचल प्रदेश केन्द्र शासित राज्य बना।

2007– अफगानिस्तान में सीमान्त गांधी के नाम पर संग्रहालय स्थापित किया गया।

2009– बराक ओबामा ने अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति के रूप में शपथ लिया।

2010– भारत में मोबाइल पोर्टेबिलिटी सेवाओ की शुरूआत की गई थी।

1. **वैज्ञानिक एम्पीयर का जन्म**– एम्पीयर का जन्म सन् 20 जनवरी, 1775 ई० में फ्रांस में हुआ था। आंद्रे मैरी एम्पीयर ने विद्युत चुंबकत्व से संबंधित महत्वपूर्ण नियम का प्रतिपादन किया जिसे 'एम्पीयर का नियम' कहा जाता है।

   एम्पीयर ने यह खोजा कि जब दो समान्तर तारों में विद्युतधारा एक ही दिशा में बहती है तो उन तारों में आकर्षण होता है। इसी प्रकार यदि दो समान्तर तारों में विद्युत धारा विपरीत दिशाओं में बहती है तो इन दोनों तारों के बीच में प्रतिकर्षण होता है। उन्होंने सर्वप्रथम यह भी आविष्कार किया कि यदि किसी कुण्डली से विद्युत धारा गुजारी जाए तो वह कुण्डली चुम्बक बन जाती है। इस प्रकार की कुण्डली को 'सालीनाइड' कहते हैं। उन्होंने बताया कि पृथ्वी का चुम्बकत्व, पृथ्वी के केन्द्र से बहने वाली विद्युत धाराओं के कारण होता है। उन्हीं के प्रयोग पर आधारित विद्युत धारा की इकाई 'एम्पीयर' आज प्रयोग की जाती है। एम्पीयर ने विद्युत धारा से सम्बन्धित बहुत से कार्य सम्पन्न किये। विद्युत के क्षेत्र में एम्पीयर ने अपने कार्यों से बहुत नाम कमाया।

   - संदर्भ: भौतिक विज्ञान के अध्याय **विद्युत धारा** से जोड़कर चर्चा करें।

2. **खान अब्दुल गफ्फार खान का निधन**– खान अब्दुल गफ्फार खान 'भारत रत्न' सम्मान पाने वाले (1987ई) प्रथम विदेशी नागरिक थे। उन्होंने 1930 ई. के सत्याग्रह आंदोलन में महात्मा गाँधी का साथ दिया था। 1930 के दशक के उत्तरार्द्ध में महात्मा गाँधी के निकटस्थ सलाहकारों में से एक थे। भारत विभाजन के बाद उन्होंने पाकिस्तान में रहने का निश्चय किया लेकिन वे भारत विभाजन से सहमत नहीं थे। सन् 1988 में पाकिस्तान के सरकार ने उन्हें पेशावर में उनके घर में नजरबंद कर दिया। 'सीमांत गाँधी' के नाम से मशहूर खान अब्दुल गफ्फार खान का निधन 20 जनवरी, 1988 ई. को हुआ था।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को वर्ग आठ की इतिहास की पाठ्यपुस्तक 'अतीत से वर्तमान भाग 3' के संदर्भ में स्वतंत्रता के लड़ाई में इनकी भूमिका पर चर्चा करवायें।

3. **भारत की पहली परमाणु भट्ठी 'अप्सरा' का उद्घाटन**– अप्सरा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ट्रांबे (बंबई) में स्थापित भारत की पहली परमाणु भट्ठी (रिऐक्टर) है। इसकी रूपरेखा, डिजाइन आदि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) के निदेशक डॉ. भाभा एवं उनके सहयोगी वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों ने सन् 1955 में तैयार की थी। होमी जहांगीर को भारत में 'न्यूक्लीयर एनर्जी का जनक' भी कहा जाता है। इस परमाणु भट्ठी का उद्घाटन 20 जनवरी, सन् 1957 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

   अप्सरा लाइट वाटर स्विमिंग पूल टाइप रिएक्टर था। इसमें एक बार में एक मेगावॉट थर्मल की बिजली का प्रोडक्शन होता था। अप्सरा की ऊर्जा उत्पादन की अधिकतम शक्ति 1000 किलोवाट है, लेकिन इसका प्रचालन सामान्यतः 400 किलोवाट शक्ति तक ही किया जाता है। रिएक्टर की भट्ठी में एल्यूमिनियम यूरेनियम की मिश्रित धातु से तैयार प्लेटों को जलाकर एनर्जी बनाई जाती थी। इसमें विशेष फ्यूल का यूज किया जाता था, जो यू.के. से आता था। इसमें रेडियो आइसोटोप का प्रोडक्शन भी किया जाता है। वर्ष 2010 में ये बंद कर दिया गया था। इसके अपग्रेड रिएक्टर अप्सरा का संचालन 10 सितंबर, 2018 से शुरू किया गया है।

ToB बालमन

सड़क सुरक्षा शिक्षा

सड़क पर चलते समय मुख्य 5 बातें

सड़क पर लगे यातायात चिह्नों का पालन करें।

सड़क पार करते समय दोनों तरफ़ देखें।

सड़क पर चलते समय हमेशा सतर्क रहें और आस-पास की गतिविधियों पर नज़र रखें।

ट्रैफ़िक सिग्नल का पालन करें। लाल बत्ती पर रुकें और हरी बत्ती पर आगे बढ़ें.।

सड़क पर चलते समय मोबाइल फ़ोन का इस्तेमाल न करें।

धीरज कुमार
प्रधान संपदक ToB बालमन
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, कैमूर (बिहार)

जनवरी 2025

TEACHERS OF BIHAR

The Change Maker

शिक्षा शब्दकोश

ब्लूम टक्सॉनोमी

ब्लूम की वर्गीकरण शिक्षा के अन्तर्गत 'सीखने के उद्देश्यों' के वर्गीकरण से सम्बन्धित है। यह नाम बेंजामिन ब्लूम के नाम पर रखा गया है जो उक्त वर्गीकरण सुझाने वाली समिति के अध्यक्ष थे। ब्लूम टक्सॉनोमी **1956** में बनाया गया था। इसके निर्माता माहान शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ड्र. बेंजामिन ब्लूम हैं। उन्होने इसका निर्माण शिक्षा के क्षेत्र में सोच के उच्च प्रपत्र को बढ़ावा देने के लिए किया था।

राकेश कुमार

धीरज कुमार

ToB बालमन

लक्षण से पहचाने बीमारी Crossword

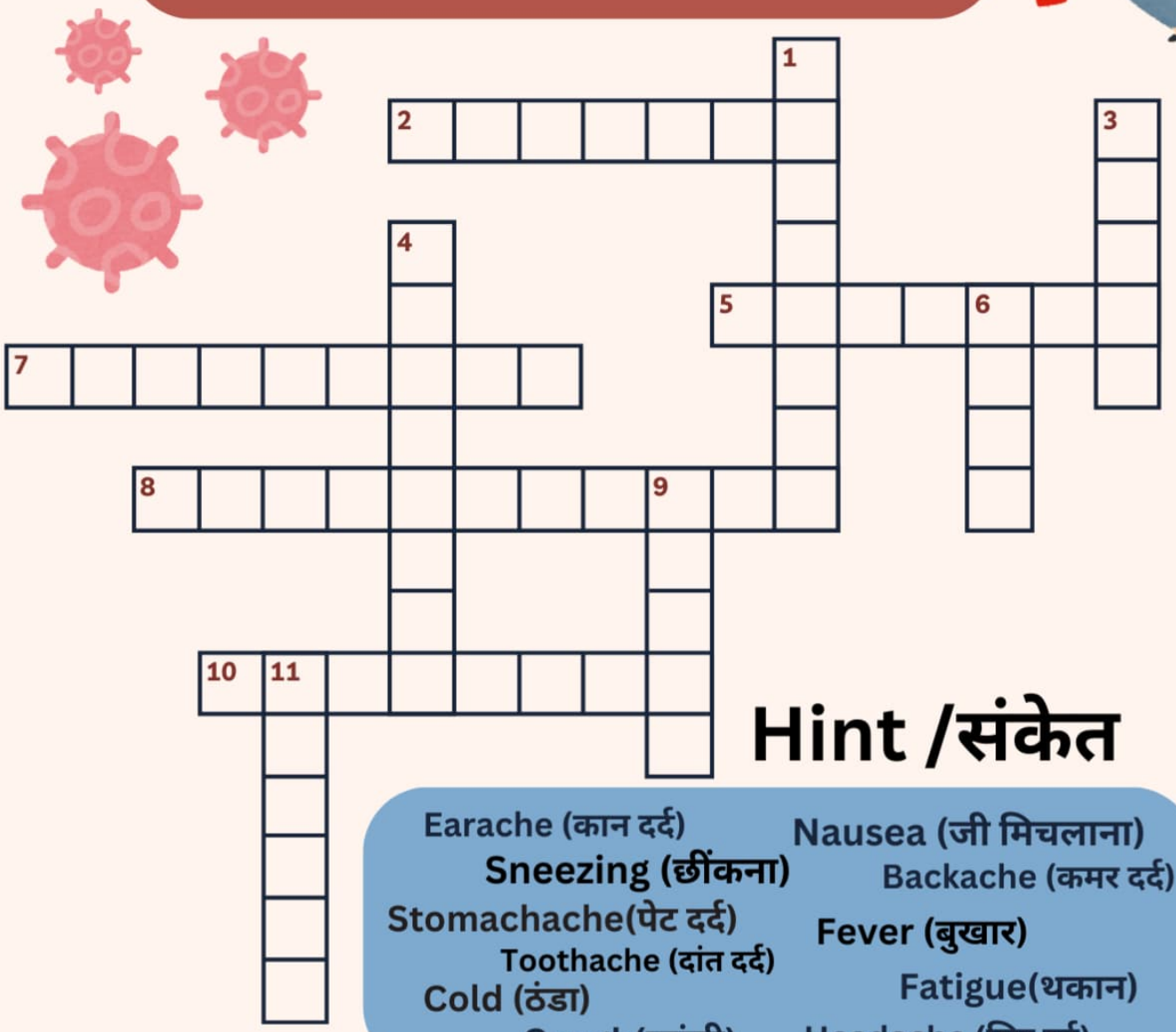

Hint /संकेत

Earache (कान दर्द)
Nausea (जी मिचलाना)
Sneezing (छींकना)
Backache (कमर दर्द)
Stomachache(पेट दर्द)
Fever (बुखार)
Toothache (दांत दर्द)
Cold (ठंडा)
Fatigue(थकान)
Cough(खांसी)
Headache (सिर दर्द)

बाएं से दाएं

2. बहुत थकान और कमजोरी महसूस होना।
5. कान में दर्द होना।
7. दाँत में या उसके आस-पास दर्द होना।
8. पेट में दर्द होना।
10. नाक और मुंह से अचानक हवा निकालना

ऊपर से नीचे

1. सिर में दर्द होना।
3. जब आपका शरीर बहुत गर्म महसूस हो।
4. आपकी पीठ में दर्द।
6. ऐसी बीमारी जिसके कारण आपको छींक, खांसी और नाक बहने की समस्या हो।
9. गले से आवाज निकालना या घरघराहट होना।
11. उल्टी जैसा महसूस होना।

Note: सभी बॉक्स को इंग्लिश अल्फाबेट से भरना हैं

TOB बालमन

व्यक्ति विशेष

जनवरी 2025

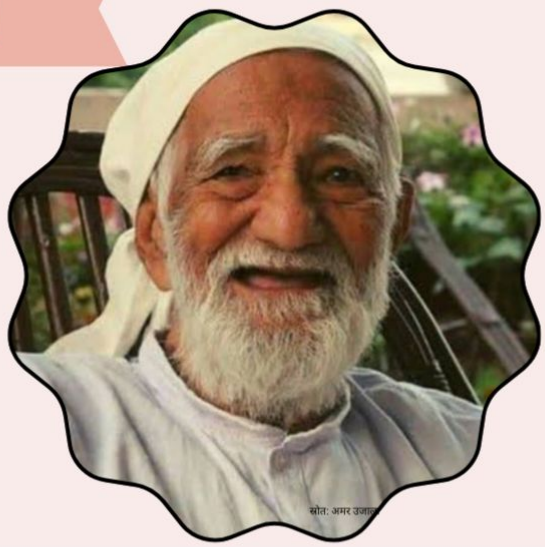

हर्ष नारायण दास
(प्रधानाध्यापक)
मध्य विद्यालय घीवहा
फारबिसगंज (अररिया)

सुन्दरलाल बहुगुणा

चिपको आन्दोलन के प्रणेता सुन्दरलाल बहुगुणा का जन्म उत्तराखंड के मरौड़ा नामक स्थान पर 9 जनवरी 1927 को हुआ था।उनके पिता का नाम अम्बादत्त बहुगुणा तथा माता का नाम पूर्णा देवी था।प्राथमिक शिक्षा के बाद वे लाहौर चले गए और वहीं से बी०ए० किये।1949 मर मीराबेन और ठक्कर बापा के सम्पर्क में आने के बाद ये दलित वर्ग के छात्रों के उत्थान के लिए प्रयास रत हो गए।तथा उनके लिये टिहरी में ठक्कर बापा होस्टल की स्थापना किया दलितों को मन्दिर प्रवेश का अधिकार दिलाने का कार्य भी किये।अपनी पत्नी श्रीमती विमला नौटियाल के सहयोग से उन्होंने सिलयारा में ही पर्वतीय नवजीवन मण्डल की स्थापना भी की।1971 में शराब की दुकानों को खोलने से रोकने लिये सुन्दरलाल बहुगुणा ने सोलह दिन तक अनशन किया।चिपको आन्दोलन के कारण वे विश्वभर में वृक्षमित्र के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

क्या है जंगल के उपकर।
मिट्टी पानी और बयार।।
मिट्टी पानी और बयार।
जिन्दा रहने के आधार।।

उनके अनुसार पेडों को काटने की अपेक्षा उन्हें लगाना अधिक महत्वपूर्ण है।बहुगुणा के कार्यों से प्रभावित होकर अमेरिका की फ्रेंड ऑफ नेचर नामक संस्था ने1980 में इनको पुरस्कृत किया।इसके अलावे उन्हें कई सारे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1956 में शादी होने के बाद राजनीतिक जीवन से संन्यास ले लिए।इन्हें 1981 में पद्मश्री ,1985 में जमना लाल बजाज पुरस्कार,2001 में पद्मविभूषण,1999 में गाँधी सेवा सम्मान,1987 में शेर-ए कश्मीर पुरस्कार,सरस्वती सम्मान से नवाजा गया।विश्व भर की यात्रा कर चिपको आन्दोलन को107 देशों तक फैलाया। उनकी किताबें जो प्रसिद्ध हुई उनमें धरती की पुकार, इंडिया'ज इनभरेंमेन्ट मिथ एंड रियलिटी-2007 है।उनके बच्चों के नाम हैं-राजीवनयन बहुगुणा, माधुरी पाठकऔर प्रदीप बहुगुणा।

बीमार पड़ने पर इनका इलाज ऋषिकेश एम्स में चल रहा था,वे डायबिटीज के पेसेंट थेऔर उन्हें कोविड के साथ निमोनिया भी था।21 मई2021 को शुक्रवार को दोपहर करीब 12 बजे उनका निधन हो गया।

हिमालय के चिपको आन्दोलन की तरह दक्षिण भारत में अप्पिको आन्दोलन को भी काफी मान्यता और ख्याति मिली।

TEACHER OF BIHAR

Quiz

1

बिहार के किस जिला में सबसे अधिक अनुमंडल हैं?

A. पटना
B. रोहतास
C. औरंगाबाद
D. समस्तीपुर

सही उत्तर: A

2

मूसी किस राज्य की एक प्रमुख नदी हैं ?

A. हिमाचल प्रदेश
B. गुजरात
C. झारखण्ड
D. तेलंगाना

सही उत्तर: D

3

आगा खां कप किस खेल से संबंधित हैं ?

A. फुटबॉल
B. क्रिकेट
C. हॉकी
D. कबड्डी

सही उत्तर: C

4

नौचंदी मेला किस शहर से संबंधित हैं?

A . कच्छ
B. मेरठ
C. सोनपुर
D. आगरा

सही उत्तर: B

धीरज कुमार

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार

1

छूने में शीतल, सूरत में लुभानी, रात में मोती, और दिन में पानी... बुझो तो जानें ?

सही उत्तर: ओस

2

जो तुझमे है वह उसमे नहीं, जो झंडे में है वह डंडे में नहीं.. बुझो तो जानें ?

सही उत्तर: झ

3

परिवार हरा, हम भी हरे, एक थैली में तीन - चार- पांच भरें .. बुझो तो जानें ?

सही उत्तर: मटर के दाने

4

ऐसा रूम, जिसकी खिड़की ना दरवाजा तो बताओ क्या ... बुझो तो जानें ?

सही उत्तर: मशरूम

ToB बालमन विशेषांक

विषय : सामान्य ज्ञान

प्रमुख देश और उनकी मुद्रा

1. भारत → रुपया
2. चीन → युआन
3. बांग्लादेश → टका
4. जापान → येन
5. नॉर्वे → नॉर्वेजियन क्रोन
6. ईरान → रियाल
7. रूस → रूबल
8. अमेरिका → डॉलर
9. म्यांमार → क्यात

धीरज कुमार

जनवरी 2025

ToB बालमन

अजब गजब

1. भारत के मध्य प्रदेश में पुलिस अधिकारियों को मूंछ रखने पर वेतन वृद्धि मिलती हैं।
2. सेब में लगभग 25 प्रतिशत हवा होती है, यही कारण है कि वे पानी में तैरते हैं।
3. हिंदी का नाम फ़ारसी शब्द हिंद से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'सिंधु नदी की भूमि'।
4. दुनिया का खतरनाक ज़हर पोलोनियम हैं।मात्र 1 ग्राम पोलोनियम 5 करोड़ लोगों को मारने के लिए काफी हैं।
5. एक सर्वे के अनुसार जो लोग जल्दी शरमा जाते हैं वे अधिक दयालु और विश्वसनीय होते हैं।

ToB बालमन

जनवरी2025

AMAZING FACTS

जंगली जानवर

शेर

LION

शेर की दहाड़ इतनी तेज़ होती है कि इसे आठ किलोमीटर दूर से सुना जा सकता है. यह 114 डेसिबल तक पहुंच सकती हैं।

बाघ

TIGER

बाघों की आंखों में बड़े लेंस और पुतलियां होती हैं, जिससे वे रात में और कम रोशनी में अच्छी तरह देख पाते हैं।

हाथी

ELEPHANT

हाथी अत्यधिक बुद्धिमान जानवर होते हैं और उनकी याददाश्त कई वर्षों तक चलती हैं।हाथी की सुनने की क्षमता बहुत अच्छी होती है और वे 10 मील की दूरी से भी कुछ आवाज़ें सुन सकते हैं।

भालू

BEAR

भालू बहुत बुद्धिमान जानवर होते हैं।वे गिनती कर सकते हैं, औज़ारों का इस्तेमाल कर सकते हैं, और समस्याओं को हल कर सकते हैं।भालू की सूंघने की शक्ति कुत्तों से भी ज़्यादा होती हैं।

DHIRAJ KUMAR
U.M.S. SILAUTA
(KAIMUR) BIHAR

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

तत्व (Element)
हाइड्रोजन (Hydrogen)

संकेत - (Symbol) H
परमाणु संख्या (Atomic no.) -1
परमाणु भार (A.weight) -1.008
समूह(group)-1
आवर्त(period) -1
ब्लाक(block)-S
संयोजकता(valancy) -1
समस्थानिक(Isotopes) -3
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$1s^1$

खोज
1766, हेनरी केवेण्डिस
भौतिक गुण
रंगहीन, गंध हीन,स्वाद हीन और अत्यंत ज्वलनशील गैस
रासायनिक गुण
यह अच्छा अपचायक है। सभी अम्लों का मुख्य घटक है।
उपयोग
राकेट ईंधन के रूप में, वाहनों को चलाने के लिए।

तत्व (Element)
हीलियम(Helium)

संकेत (Symbol) - He
परमाणु संख्या (Atomic number) -2
समूह (group)-18
आवर्त (period)-1
ब्लाक(block)-S
परमाणु भार (A.weight) -4.002
संयोजकता (valancy)- 0
समस्थानिक (isotope)-2
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $1s^2$

खोज
1868,नार्मल लॉकयर
भौतिक गुण
रंगहीन, गंध हीन , विषहीन अक्रिय गैस
रासायनिक गुण
यह अक्रिय गैस होती है अतः यह किसी से प्रतिक्रिया नहीं करती है।
उपयोग
परमाणु रिएक्टर में शीतलन के लिए

तत्व (Element)
लिथियम (Lithium)

संकेत - (Symbol) Li
परमाणु संख्या (Atomic number) -3
समूह (group)-1
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-S
परमाणु भार A.weight -6.941
संयोजकता (valancy)-1
समस्थानिक (isotope)-2
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास - $1s^2\ 2s^1$

खोज
1817,जोहान ऑगस्ट
भौतिक गुण
चांदी जैसी सफेद, क्षारीय धातु, अत्यधिक प्रतिक्रियाशील
रासायनिक गुण
ताप एवं विधुत सुचालक
उपयोग
लिथियम बैटरी, मोबाइल में, ग्रीस बनाने में

तत्व (Element)
बेरेलियम(Bereliyum)

संकेत (symbol) - Be
परमाणु संख्या (Atomic no.) -4
समूह (group)-2
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-S
परमाणु भार A. weight -9.012
संयोजकता (valancy)-2
समस्थानिक (isotope)-4
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$1S^2 2S^2$

खोज
1798,लुई निकोलस
भौतिक गुण
स्टील ग्रे रंग, कठोर,हल्की और भंगुर क्षारीय मृदा धातु
रासायनिक गुण
अम्लों में धुलनशील, सहसंयोजक बंधन विषैली धातु
उपयोग
मिसाइल, अंतरिक्ष यानों में, एक्स-रे उपकरणों में

तत्व (Element)
बोरॉन (Boron)

संकेत (symbol) - B
परमाणु संख्या Atomic no. -5
समूह (group)-13
आवर्त (period)-2
ब्लाक (Block)-P
परमाणु भार A.weight -10.81
संयोजकता (valancy)-3
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2 2p^1$

खोज
1808, जोसेफ लुई, लुई जैक्स थेनार्ड
भौतिक गुण
काला रंग, चमकदार, अर्ध चालक, भंगुर
रासायनिक गुण
सहसंयोजक बंधन, उच्च ताप पर अच्छा सुचालक और निम्न ताप पर अच्छा कुचालक
उपयोग
फाइबर ग्लास, बुलेट प्रूफ जैकेट, कांच बनाने

तत्व (Element)
कार्बन (Carbon)

संकेत (Symbol) - C
परमाणु संख्या (Atomic no.)-6
समूह (group)-14
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-P
परमाणु भार (A. weight)-12.011
संयोजकता (valancy)-4
समस्थानिक (isotope)-3
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]\ 2s^2 2p^2$

खोज
1789, एंटोनी लेवोजियर
भौतिक गुण
काले रंग काअधातु जो कई रूपों में पाया जाता है।
रासायनिक गुण
सहसंयोजक बंधन,चतुष्संयोजकता, श्रृंखलाबद्धता की क्षमता,अपररूपता
उपयोग
ईंधन, बैटरी निर्माण,आटोमोबाइल

तत्व (Element)
नाइट्रोजन (Nitrogen)

संकेत (Symbol) - N
परमाणु संख्या (Atomic no.) -7
समूह (group)-15
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-P
परमाणु भार (A.weight) -14.007
संयोजकता (valancy)-3
समस्थानिक (isotope)-3
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2 2p^3$

खोज
1772, डेनियल रदरफोर्ड
भौतिक गुण
रंगहीन, गंधहीन गैस
रासायनिक गुण
रासायनिक रूप से निष्क्रिय,अदाह्य गैस
उपयोग
उर्वरक, विस्फोटक, हवाई जहाज के टायरों में हवा भरने में

तत्व (Element)
आक्सीजन (Oxygen)

संकेत - (symbol) O
परमाणु संख्या (Atomic no.) -8
समूह (group)-16
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-P
परमाणु भार -15.999 (A.weight)
संयोजकता (valancy)-2
समस्थानिक (isotope)-3
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2 2p^4$

खोज
1774, जोसेफ प्रीस्टली
भौतिक गुण
रंगहीन ,गंधहीन ,जल में घुलनशील गैस
रासायनिक गुण
दहन में सहायक ,ऑक्सीकरण एजेंट
उपयोग
श्वसन,दहन, वेल्डिंग, अस्पतालों में उपयोग

तत्व (Element)
फ्लोरीन(Fluorine)

संकेत (symbol) - F
परमाणु संख्या (Atomic no.) -9
समूह (group)-17(हैलोजन)
आवर्त (period)-2
ब्लाक (block)-P
परमाणु भार -18.998 (A.weight)
संयोजकता (valancy)-1
समस्थानिक (isotope)-2
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2\ 2p^5$

खोज
1886, हेनरी मोइसन
भौतिक गुण
जहरीली,पीली,द्विपरमाणुक गैस
रासायनिक गुण
सर्वाधिक विधुत श्रृणात्मक और प्रतिक्रियाशील
उपयोग
परमाणु सामग्री, प्लास्टिक, दांतों का पेस्ट

ANU PRIYA

कैथोड किरण नली
Cathode Ray Tube

रसायन विज्ञान कक्षा 9

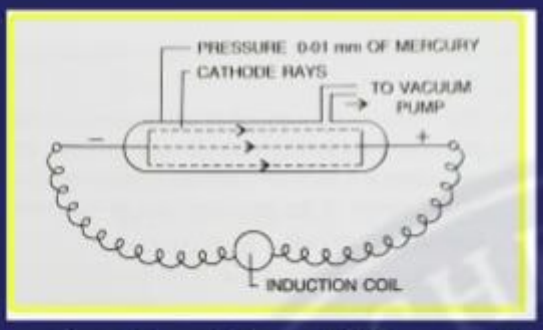

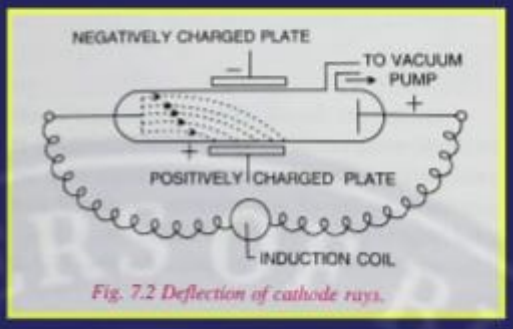

Fig. 7.2 Deflection of cathode rays.

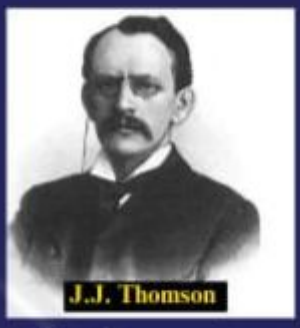

- कैथोड किरणों के गुणों का अध्ययन जे. जे. थॉमसन ने किया था।
- इसके अध्ययन के लिए उन्होंने विसर्ग नली या कैथोड किरण नली का उपयोग किया।
- विसर्ग नली एक कठोर कॉच की नली है जिसमें दो धातुओं का प्लेट लगा होता है जिसे इलेक्ट्रोड कहते हैं।
- बैटरी के ऋणात्मक टर्मिनल से जिस इलेक्ट्रोड को जोड़ा जाता है उसे कैथोड कहते है।
- बैटरी के धनात्मक टर्मिनल से जिस इलेक्ट्रोड को जोड़ा जाता है उसे एनोड कहते है।
- विसर्ग नली से गैस को निकालने के लिए एक निर्वात पम्प जोड़ा जाता है।

विसर्ग नली में गैस की उपस्थिति में निम्न दाब पर 10,000 वोल्ट प्रवाहित की जाती है तो कैथोड किरण निकलती है।

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन कविता

मेरा भारत महान

मेरा भारत महान,तेरी जय हो
तेरी धरती पर,मैने जन्म लिया हो
तेरी नदियों का जल ,मेरी प्यास बुझाता हैं
तेरे पहाड़ों की छाया मेरे मन को शांति देती है ,
तेरे वीर सपूतों की बहादुरी मुझे गर्व से भर देती है ।
तेरे किसानों की मेहनत ,मुझे रोटी खिलाती है
मेरा भारत महान, तेरी जय हो
मुझे अपना देश है जानो से भी प्यारा ,
सोने की चिड़िया कहलाती है वो है देश हमारा ।
तेरी संस्कृति की धनी,तेरी भाषाओं की विविधता
तेरी एकता में अनेकता,मुझे प्रेरणा देती है ।
हिम्मत वालों,साहस वालो सब है
भारत के वीर सपूत
अपने कर में लिए पताका
आगे ही आगे लहराएंगे..
मेरा भारत महान,तेरी जय हो..।

नीतू शाही (शिक्षिका)
प्राथमिक विद्यालय प्रखंड कॉलोनी फूलवारी शरीफ
पटना (बिहार)

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

23 जनवरी

मधु प्रिया

पराक्रम दिवस /सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी

23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में एक संपन्न बांग्ला परिवार में जन्मे सुभाष अपने देश के लिए हर हाल में आजादी चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के नाम कर दिया और अंतिम सांस तक देश की आजादी के लिए संघर्ष करते रहे। 'नेताजी' हर कीमत पर मां भारती को आजादी की बेड़ियों से मुक्त कराने को आतुर देश के उग्र विचारधारा वाले युवा वर्ग का चेहरा माने जाते थे। वह कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। देश की स्वतंत्रता के इतिहास के महानायक बोस का जीवन और उनकी मृत्यु भले ही रहस्यमय मानी जाती रही हो, लेकिन उनकी देशभक्ति सदा सर्वदा असंदिग्ध और अनुकरणीय रही। 23 जनवरी को पराक्रम दिवस मनाने की वजह बेहद खास है। दरअसल यह दिन सुभाष चंद्र बोस की याद में मनाया जाता है। सुभाष चंद्र बोस का 23 जनवरी को जन्म हुआ था। इस दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई जाती है, जिसे पराक्रम दिवस का नाम दिया गया। वर्ष 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पराक्रम दिवस को मनाने की घोषणा की थी। पराक्रम दिवस के मौके पर कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होता है। स्कूल कॉलेज में बच्चों को इस दिन का महत्व बताया जाता है और इसी दिन के जरिए स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन को याद किया जाता है। पराक्रम दिवस को मनाने के पीछे खास वजह है। इस दिन का नाता महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस से है। उनकी ही याद में पराक्रम दिवस को देश के एक खास दिन के रूप में मनाते हैं। नेताजी को इस दिन नमन किया जाता है और उनके योगदान को याद करते हैं। नेता जी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में ओजस्वी नारा दिया था। 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा।' इन नारे ने हर भारतीय के खून में उबाल ला दिया था और आजादी की जंग को तेज कर दिया था।आज से ठीक 78 साल पहले 18 अगस्त 1945 को जापान दूसरा विश्व युद्ध हार चुका था। अंग्रेज नेताजी के पीछे पड़े हुए थे। इसे देखते हुए उन्होंने रूस से मदद मांगने का मन बनाया। 18 अगस्त 1945 को उन्होंने मंचूरिया की तरफ उड़ान भरी। इसके बाद किसी को फिर वो दिखाई नहीं दिए।

सीएम की प्रगति यात्रा
अब 5 व 6 जनवरी को

Daily Education News

पटना,शनिवार
पौष कृष्ण 13 संवत 2081
28 दिसम्बर 2024
मूल्य : ₹4

बालमन पत्रिका का प्रकाशन

लगातार 3 वर्षों से टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा प्रतिमाह प्रकाशित

एजुकेशनल रिपोर्टर

कहते है ना कि यदि किसी काम को करने का जुनून और इच्छा शक्ति हो तो कोई भी काम असंभव नहीं हैं।कुछ ऐसे ही इच्छा शक्ति और अपने नवाचारी कार्यों से हमेशा सुर्खियों में रहने वाले कैमूर जिले के भभुआ प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा के शिक्षक धीरज कुमार ने बच्चों की कला और प्रतिभा को संजोने और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपनी नई सोच के साथ टीचर्स ऑफ बिहार से प्रेरणा ले कर बालमन पत्रिका की शुरुआत की थी। राष्ट्रीय स्तर पर ToB बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार बताते है कि लगातार 36 महीनो से आप सभी के प्रेम और सहयोग के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक अलग पहचान और बच्चों के लिए बहुत ही उपयोगी ToB बालमन दिसंबर 2024 की मासिक पत्रिका है।हमे एक मौका और मंच देना है।बच्चों के मन में अनंत विचार उत्पन्न होते है। उनको आगे बढ़ाने को हम ToB बालमन लाते है। नन्हे-मुन्ने बच्चों में न जाने कितनी सम्भावनाएं होतीं हैं।आज के बच्चे कल के पिकासो, आइंस्टीन और भी न जाने क्या क्या हो सकते हैं। बस जरूरत है, उनकी प्रतिभा को अभी से पहचानने की और उन्हें एक नई पहचान दिलाने की।अपने देश के नौनिहालों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका ऐसी ही एक पहल हैं।जिला से लेकर राज्य स्तर भी पदाधिकारी द्वारा इसकी तारीफ की जा चुकी हैं।

टीचर्स ऑफ बिहार के संस्थापक शिव कुमार ने भी दी शुभकामना

टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षा के क्षेत्र में एक बिहार की सबसे बड़ी लर्निंग कम्युनिटी है। टीचर्स ऑफ बिहार संस्थापक श्री शिव कुमार जी के द्वारा भी सोशल मीडिया पर बालमन टीम की सराहने करते हुए एक मैसेज प्रेषित किया गया उन्होंने लिखा है कि टीम टीचर्स ऑफ बिहार की ओर से आपको हार्दिक शुभकामनाएं और धन्यवाद! आपकी मेहनत, समर्पण और विचारशील नेतृत्व ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणादायक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ToB बालमन जैसी पहल न केवल बच्चों की रचनात्मकता को मंच प्रदान कर रही है, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह को भी बढ़ा रही है। आपकी प्रतिबद्धता और नेतृत्व ने इसे संभव बनाया है।

हम सभी को गर्व है कि आप जैसे प्रेरक साथी हमारे साथ हैं। आपकी यह ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण भविष्य में भी शिक्षा और समाज के लिए नए आयाम स्थापित करेगा।आपकी सफलता और समर्पण के लिए साधुवाद।

TEACHERS OF BIHAR
BALMAN TIMES

टीचर्स ऑफ बिहार के छठवें स्थापना दिवस के मौके पर कार्यक्रम आयोजित

दैनिक अमर उजाला। श्रवण कुमार

भागलपुर। बिहार। टीचर्स ऑफ बिहार के छठवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत मध्य विद्यालय जगदीशपुर में बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने संगठन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह बिहार के सक्रिय शिक्षकों का ऐसा समूह है जो बच्चों के शैक्षणिक विकास के लिए विभिन्न गतिविधियों को साझा करता है। सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से शिक्षकों द्वारा बच्चों की अधिगम क्षमता को बढ़ाने में मदद की जाती है। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि इस समूह के माध्यम से बिहार के सभी विद्यालय आपस में जुड़कर सीखने की प्रक्रिया को मजबूत बना रहे हैं। इस अवसर पर शिक्षक अभिनाश सरोज, बिन्दु कुमारी, प्रतिभा मिश्रा, शाहिना खातून, अंजुम राशिद अहसन और नवल किशोर पंजियारा सहित अन्य शिक्षकों ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और संगठन के सभी सदस्यों को बधाई दी। छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त की।

जगदीशपुर में टीचर्स ऑफ बिहार के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

अमित कुमार/ ब्यूरो भागलपुर

हिंदुस्तान की गूंज। जगदीशपुर मध्य विद्यालय जगदीशपुर में टीचर्स ऑफ बिहार के छठवें स्थापना दिवस बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों कर बधाई और शुभकामनाएं दी। प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने कहा कि यह बिहार के सक्रिय शिक्षकों का एक समूह जो बच्चों के विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक गतिविधि को कर सोशल नेटवर्किंग के द्वारा शेयर करते हैं जिससे बच्चों को अधिगम प्राप्ति करने में मदद करता है। इसके द्वारा बिहार के सभी विद्यालय एक दूसरे से जुड़े हुए हैं तथा सभी एक दूसरे से सिखने की प्रक्रिया सम्पन्न करते हैं । इस अवसर पर शिक्षक अभिनाश सरोज, बिन्दु कुमारी, प्रतिभा मिश्रा, शाहिना खातून, अंजुम राशिद अहसन, नवल किशोर पंजियारा तथा सभी छात्र छात्राओं को समूह के सभी सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए खुशी जताई।

टीचर्स ऑफ बिहार के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

आजमनगर | बिहार के सबसे बड़े टीचिंग लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार के छठे स्थापना दिवस पर आजमनगर प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय ओरिहाना में पौधारोपण किया गया और बगीचे का शिलान्यास किया गया।प्रधानाध्यापक रंजन कुमार निराला,वरीय शिक्षक श्यामा रविदास,नूर आलम,विलास कुमार एवं बाल संसद के बच्चों द्वारा बगीचे में दर्जनों फूल के पौधे लगाते हुए नए फूल की क्यारियों का शुभारंभ किया गया। इस दौरान टीचर्स ऑफ बिहार के जिला न्यूज टीम मेंटर सह ब्लॉक मेंटर विलास कुमार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार सूबे के लाखों शिक्षकों के नवाचार आदान प्रदान करने का सोशल मीडिया प्लेटफार्म है। इसकी स्थापना 20 जनवरी 2019 को कुछ शिक्षकों के द्वारा की गई थी। आज इस समूह में लाखों शिक्षक और बच्चे जुड़े हैं।इस दौरान विद्यालय के सहायक अध्यापक नूतन हेंब्रम,नीतिश कुमार,आदित्य राज,प्रमोद कुमार आदि भी मौजूद रहे।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org